25 Years of Innovative Mining Excellence

ମହାନଦୀ କୋଲ୍‌ଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

MAHANADI COALFIELDS LIMITED

(A Subsidiary of Coal India Limited)

A Mini Ratna Company

एम.सी.एल. में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ

चतुर्थ अंक

2015-16

एम.सी.एल स्थापना दिवस
के अवसर पर
समाज सेविका पद्मश्री तुलसी मुण्डा
को मान-पत्र से सम्मानित करती हुई
डॉ.(श्रीमती) निशा ठाकुर,
अध्यक्षा, जागृति महिला मंडल

एम.सी.एल स्थापना दिवस
के अवसर पर
पद्मश्री लोक कवि श्री हलधर नाग
को मान-पत्र से सम्मानित करते हुए
श्री ए. के. तिवारी,
निदेशक (तकनीकी/संचालन)

एम.सी.एल स्थापना दिवस
के अवसर पर
पद्मश्री डॉ. प्रफुल्ल जेना
को मान-पत्र से सम्मानित करते हुए
श्री जे. पी. सिंह,
निदेशक (तकनीकी/यो.एवं परियो.)

वर्ष 2015-16 में एमसीएल को राजभाषा के क्षेत्र में बेहतर कार्य निष्पादन के लिए भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 26 से 28 मई,2016 तक ऊटी में आयोजित 29वें अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर में राजभाषा मुकुटमणि पुरस्कार से नवाजा गया, जिसे अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को सौंपते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं/राजभाषा)

राजभाषा सेवा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मुन्नार में दिनांक 01 से 03 जून, 2016 तक आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में "राजभाषा अनुपालन" प्रतियोगिता में एमसीएल को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया, जिसे अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को सौंपते हुए श्री राजपाल यादव, महाप्रबंधक(कार्मिक एवं औसं.)

हिन्दी में कार्यालयीन कार्य करने वाले कर्मी पुरस्कृ

- एमसीएल में राजभाषा पखवाड़ा का समापन
- पुरस्कार वितरण समारोह एवं अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन

संबलपुर. महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, जागृति विहार स्थित ऑडिटोरियम में राजभाषा पखवाड़ा-2015 के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह तथा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन ए.एन. सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष-राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में एके तिवारी, निदेशक. दीपक श्रीवास्तव, मुख्य सतर्कता अधिकारी, केके परिडा, निदेशक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी के विद्वान द्वय जगदीश नंदन सहाय एवं प्रोफेसर केपी गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, जीएम कालेज, जागृति महिला मंडल, एमसीएल की अध्यक्ष श्रीमती अंजु सहाय तथा उपाध्यक्ष श्रीमती परमजीत कौर, श्रीमती गीतांजली पाणिग्राही एवं श्रीमती ज्योर्तिमयी परिडा, मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षगण, क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख, मुख्य राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारी/सहायकगण के साथ भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के एनके ओझा, उप महाप्रबंधक, एमसीएल/सर्वकार्यभारी अधिकार तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित हुए. जी. देहरी, महाप्रबंधक ने अध्यक्ष एवं आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया एवं अपने स्वागत भाषण में एमसीएल के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से राजभाषा नीति के पूर्णतः अनुपालन करने हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी. अध्यक्ष ने आमंत्रित कवियों को शॉल, श्रीफल तथा पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया. प्रतियोगि... को बधाई देने के साथ सलाह दी गई कि वे अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करें ताकि एमसीएल शेष बचे राजभाषा लक्ष्यों को भी जल्द से जल्द पूरा कर सके एवं पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य पूरा हो सके. इस दौरान मुख्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं ...

पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के ... से प्रदर्शित किया गया. श्री सहाय के कर-कमलों ... 2014-15 के दौरान र... नीति के बेहतर अनुपाल... क्षेत्रों, इकाइयों एवं मु... स्थित विभागों को प्रथम, ... तथा तृतीय पुरस्कार म... कोलफील्ड्स लिमिटेड रा... कार्यान्वयन पुरस्कार का ट्राप... प्रमाण पत्र के रूप में प्रदान ... गया, जो एमसीएल मुख्यालय ... राजभाषा विभाग द्वारा पहल ... आरंभ की गई है. यह पुर... क्षेत्रों एवं विभागों की तिमाही ... के वार्षिक मूल्यांकन के अ... पर प्रदान किया गया. इस अ... पर पुरस्कार वितरण के पश... रांची की स्वर संस्था के संयो... कुमार बृजेन्द्र एवं उनकी ... द्वारा अखिल भारतीय हास्य क... सम्मेलन का आयोजन किया ग... जिसमें देश के कोने-कोने से प... हास्य तथा ओज के कवियों, ग... एवं गजलकारों ने अपनी का... प्रतिभा से बड़े तादाद में उपस्थि... प्रतिभागियों को मंत्र मुग्ध कर दिय... ओम प्रकाश मिश्र, मुख्य प्रबंधक ... मुख्यालय द्वारा समारोह का सफ... संचालन ...

कार्यशाला के अवसर का दृश्य.

एमसीएल में एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

संबलपुर. प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा विभाग,एमसीएल मुख्यालय, आनंद विहार के सभागार में एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा) ने की. इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रुप में रामनारायण सरोज, उप निदेशक(पूर्व), हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, कोलकाता एवं हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के हिंदी प्राध्यापक डॉ. ...

नागपुर, बुधवार 13 जनवरी 2016
www.navabharat.org

एमसीएल में हिन्दी दिवस सह-राजभाषा सेमीनार

बैठक में पत्रिका विमोचन करते.

राजभाषा कार्यान्वयन हम सभी का सामूहिक दायित्व : सिंह

संबलपुर. महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, जागृति विहार में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठक जीतेन्द्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक, एमसीएल की ... महाप्रबंधक एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर, डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के साथ समिति के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख /प्रतिनिधिगण/राजभाषा अधिकारी गण बैठक में उपस्थित हुए. बैठक के प्रारंभ में जी. देहुरी ने कहा कि सभी सदस्य कार्यालय राजभाषा नीतियों के अनुपालन, प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु अपने स्तर पर ईमानदारी पूर्वक ... अधिकारी ने बैठक के संचालन के साथ-साथ पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की. एमसीएल, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक एवं भारतीय ... राजभाषा कार्यान्वयन की ... का प्रदर्शन संबंधित का... पावर प्वाइंट के माध्यम ... अध्यक्ष ने कहा राजभा... अनुपालन हम सभी क... एवं नैतिक जिम्मदारी ... सभी को इसका पूर्णत... करना चाहिए. बैठ... महोदय के कर-कमल... संबलपुर की हिंदी ... 'संबल प्रभा' के त... विमोचन किया गया ... शर्मा, हिंदी प्राध्याप... नगर स्थित सरकारि... एमसीएल में चला... भाषा प्रशिक्षण से ... प्रस्तुत की. बैठ... कार्यान्वयन से ... महत्वपूर्ण निर्णय ... अंत में बीआ... अधिकारी द्वारा ...

राजभाषा नीतियों का अनुपालन हम सभी की संवैधानिक व नैतिक जिम्मेदारी

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठक

हिंदी में कार्य करना असंभव नही

संबलपुर. महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एमसीएल के निदेशक पीसी पाणिग्राही की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में इनके अतिरिक्त मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण के साथ-साथ भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के सर्वकार्यभारी अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक. एमसीएल एनके ओझा तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित हुए.

बीसी त्रिपाठी, महाप्रबंधक ने अध्यक्ष एवं उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया. श्री त्रिपाठी ने कहा कि एमसीएल के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा नीति, नियम एवं अधिनियम का शत-प्रतिशत अनुपालन करने हिंदी में कार्य करना नितान्त आवश्यक है.

एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

अध्यक्ष श्री पाणिग्राहीने राजभाषा विभाग की हिंदी गृह पत्रिका 'एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियां' के तृतीय अंक का विमोचन किया गया. अध्यक्ष ने कहा कि यदि हमलोग हिंदी में कार्य करना चाहें तो कुछ असंभव नहीं है.

मन में संकोच करेंगे तो काफी दि... दिखाई देंगी. डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्या... हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार, संब... द्वारा एमसीएल में चलाये जा रहे हिंदी ... प्रशिक्षण पर संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की ग... तय तिथि के अंतर्गत सभी क्षेत्रों एवं मु... के विभागों से सत्र जनवरी-मई, 20... परीक्षा फार्म भरकर मुख्यालय भेज... अनुरोध किया गया ताकि समय पर ... प्रारंभ की जा सकें. बीआर साहू क... वरिष्ठ अधिकारी, राजभाषा विभाग, मु... द्वारा बैठक अतिथियों/ प्रतिभागियों ... आभार व्यक्त किया गया.

संबलपुर. महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर राजभाषा सेमीनार का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता एमसीएल अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एके झा ने की. इस अवसर पर एमसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) एके तिवारी, निदेशक (तकनीकी/योजना ... प्रारंभ हुआ. एमसीएल महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान एवं राजभाषा) बीसी त्रिपाठी द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के संबंध में अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए. वरिष्ठ अधिकारी (राजभाषा) बीआर ...

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

अनिल कुमार झा
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि एमसीएल में राजभाषा गतिविधियों से संबंधित पत्रिका "एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" के चौथे अंक का प्रकाशन मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा किया जा रहा है। पत्रिका में वर्ष 2015-16 में हुई राजभाषा गतिविधियों का समग्र चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

पत्रिका में समाहित राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ एवं उसमें निहित विविध जानकारियाँ पाठकों के लिए लाभप्रद होगा। पत्रिका, संघ की राजभाषा नीति तथा वार्षिक कार्यक्रमों आदि की जानकारी के साथ-साथ महानदी कोलफील्ड्स द्वारा राजभाषा के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में किए जा रहे सार्थक प्रयास एवं प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

पाठक इससे प्रेरणा लेकर राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में सार्थक सोच के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर निरंतर आगे बढ़ने तथा अपने संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में और अधिक दृढ़संकल्पी होंगे। इसी आशा और विश्वास के साथ पत्रिका आपको समर्पित है।

जय हिन्द । जय हिन्दी।

(अनिल कुमार झा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

ए. के. तिवारी
पूर्व निदेशक (तकनीकी/संचालन)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

राजभाषा हिंदी के संवर्द्धन और प्रचार-प्रसार की कड़ी में राजभाषा विभाग, एमसीएल मुख्यालय द्वारा हिंदी पत्रिका "एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" के चतुर्थ अंक का प्रकाशन किया जा रहा है, जो एक प्रशंसनीय प्रयास है।

पत्रिका, वर्ष 2015-16 के दौरान राजभाषा नीति के अनुपालन में एमसीएल द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों की झलकियों का एक संग्रह है जो पाठकों को जहाँ राजभाषा कार्यों के लिए प्रेरित करेगा वहीं उन्हें राजभाषा से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी उपलब्ध कराएगा। आशा ही नहीं हमें पूर्ण विश्वास है कि एमसीएल द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयासों से राजभाषा हिंदी के प्रति लोग अवश्य प्रेरित एवं प्रोत्साहित होंगे।

पत्रिका के प्रकाशन कार्य से जुड़े समस्त पदाधिकारियों को मेरी ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ।

अ० कु० तिवारी
(ए. के. तिवारी)
पूर्व निदेशक(तकनीकी/संचालन)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

दीपक श्रीवास्तव
आईएफएस
पूर्व मुख्य सतर्कता अधिकारी

संदेश

यह जानकार मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राजभाषा विभाग, एमसीएल मुख्यालय द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी "**एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ**" पत्रिका के चतुर्थ अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

राजभाषा नियम के तहत एमसीएल '**ग-क्षेत्र**' में अवस्थित है, जहाँ हिंदी को कार्यालयीन कार्यों में अमल में लाना सहज नहीं होता। इन परिस्थितियों में एमसीएल में कार्यरत अधिकांशत: हिंदीतर भाषियों द्वारा हिंदी कार्य करना तथा हिंदी कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका निभाना सचमुच सराहनीय है। यही वजह है कि यहाँ राजभाषा हिंदी से जुड़े कार्यक्रमों की झलकियाँ समय-समय पर निरंतर दिखाई पड़ती हैं जिन्हें प्रकाशन सामग्री के रूप में एकत्र कर पुन: इसे पत्रिका का रूप दिया जा रहा है जो काफी उत्साहपूर्ण कार्य है।

मैं आशा करता हूँ कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास के लिए यह प्रशंसनीय प्रयास है। प्रकाशन कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई।

शुभकामनाओं के साथ ।

22-08-16
(दीपक श्रीवास्तव)आईएफएस
पूर्व मुख्य सतर्कता अधिकारी

जसविन्दर पाल सिंह
निदेशक (तकनीकी/संचालन)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि "**एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ**" के चतुर्थ अंक का प्रकाशन एमसीएल के राजभाषा विभाग द्वारा किया जा रहा है।

पत्रिका में वर्ष 2015-16 के दौरान एमसीएल में राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु की गई समस्त राजभाषा गतिविधियों व कार्यक्रमों का संग्रह है, जो समेकित रूप में एमसीएल में राजभाषा हिंदी के कार्यों को प्रतिबिम्बित करती है। पत्रिका में भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं वार्षिक कार्यक्रमों का विवरण शामिल है इससे पाठक अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

मैं पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए धन्यवाद देता हूँ एवं आशा करता हूँ कि पत्रिका का यह अंक अपेक्षाकृत और भी बेहतर होगी।

शुभकामनाओं सहित ।

21/6/2016
(जसविन्दर पाल सिंह)
निदेशक (तकनीकी/संचालन)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

के. के. परिडा
निदेशक (वित्त)

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राजभाषा विभाग द्वारा "एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" के चतुर्थ अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

एमसीएल हिंदीतर भाषी क्षेत्र में स्थित होकर भी केंद्रीय सरकार द्वारा दिए गए राजभाषा कार्यान्वयन के दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रहा है। राजभाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में इस प्रकार के पत्रिकाओं के प्रकाशन से हमें प्रेरणा एवं प्रोत्साहन मिलेगा।

मैं, पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ साथ ही इससे संबंधित कार्मिकों को बधाई देते हुए यह आशा करता हूँ कि पत्रिका इसी तरह नियमित रूप से प्रकाशित होती रहे।

(के.के. परिडा)
निदेशक (वित्त)

लीला नन्द मिश्रा
निदेशक (कार्मिक)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

भाषा किसी भी राष्ट्र की संस्कृति की वाहिका होती है। हमारी जन-गण की भाषा हिंदी है, हमारी संपर्क,प्रयोजनमूलक एवं जनोपयोगी भाषा हिंदी है जो भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी अपना परचम लहरा रही है। इसी संदर्भ में राजभाषा विभाग की गतिविधियों से संबंधित पत्रिका "**एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ**" का चतुर्थ अंक आपको सौंपते हुए मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है।

आपको विदित हो कि यह पत्रिका पूरे वर्ष के दौरान एमसीएल में किए गए राजभाषा कार्यान्वयन का संग्रह है जिसे समेकित रूप में एमसीएल के कार्मिकों तक पहुँचाना इसका उद्देश्य है। पत्रिका में समाहित भारत सरकार की राजभाषा नीति/नियम एवं वार्षिक कार्यक्रम तथा एमसीएल के राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम से एमसीएल के कार्मिकों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने हेतु जानकारी प्राप्त होगी साथ ही कार्मिकों में हिंदी के प्रति रुझान भी पैदा होगा और इसी क्रम से राजभाषा कार्यालयीन कार्यों में भी वृद्धि होगी।

मैं पत्रिका के प्रकाशन कार्य से जुड़े समस्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ एवं आशा करता हूँ कि पत्रिका का चतुर्थ अंक और भी बेहतर एवं आकर्षक हो।

(लीला नन्द मिश्रा)
निदेशक (कार्मिक)

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

मुनव्वर खुर्शीद
भा.रे.सु.ब.
मुख्य सतर्कता अधिकारी

संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि एमसीएल मुख्यालय स्थित राजभाषा विभाग द्वारा "एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" के चौंथे अंक प्रकाशन करने जा रहा है।

हिंदीतर भाषी क्षेत्र में हिंदी पत्रिका प्रकाशित करना हम सभी के लिए एक गर्व की बात है। पत्रिका से जहाँ एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन त्वरान्वित होगा वहीं कंपनी के समस्त कार्मिकों के लिए यह एक प्रेरणास्रोत बनेगी।

मैं, पत्रिका के सफलता की कामना करता हूँ, साथ ही इससे संबंधित कार्मिकों को बधाई देते हुए यह आशा करता हूँ कि पत्रिका इसी तरह निर्वाध गति से भविष्य में प्रकाशित होती रहे।

मुनव्वर 17/9/16

(मुनव्वर खुर्शीद)
मुख्य सतर्कता अधिकारी

ओम प्रकाश सिंह

निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राजभाषा कार्यों की समेकित पत्रिका "राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" के चौथे अंक का प्रकाशन राजभाषा विभाग,एमसीएल मुख्यालय द्वारा किया जा रहा है। पत्रिका से वर्ष 2015-16 के दौरान किये गए राजभाषा कार्यान्वयन के साथ-साथ राजभाषा संबंधी नीति, नियम एवं भारत सरकार तथा एमसीएल के राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त होगी जिससे हम एमसीएल में राजभाषा नीति का पूर्णतया अनुपालन करने में सक्षम होंगे।

यहाँ के अधिकांश कर्मचारीगण हिंदीतर भाषा-भाषी हैं, परंतु भारत सरकार की ओर से दिए गए राजभाषा कार्यान्वयन के दायित्वों के निर्वहन के लिए निर्धारित राजभाषा लक्ष्यों को पूरा करना हमारी नैतिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। अत: एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक गति प्रदान करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हमें कृत संकल्प रहना है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

18/9/16

(ओम प्रकाश सिंह)

निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना)

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

बी.सी.त्रिपाठी
महाप्रबंधक
(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मा.सं.वि.)

संदेश

"एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" का चतुर्थ अंक आपको सौपते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

हिंदी भारत के राजभाषा के साथ-साथ संपर्क भाषा भी है। भाषा मानवीय संस्कृति का एक अनुपम सृजन है। इसमें राष्ट्र एवं समाज की संपूर्ण संस्कृति समाहित एवं सुरक्षित रहती है। इसलिए राष्ट्र की पहचान को बनाए रखने और अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए हमें अपनी राजभाषा के संवर्धन, विकास एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास करना होगा।

हिंदी के माध्यम से ही हम अपने विचारों/संदेशों को कार्मिकों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी अपना अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करते हुए संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन में सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे, जिससे उत्पादन/उत्पादकता के साथ-साथ राजभाषा नीति के अनुपालन में भी एमसीएल अपना अग्रिम स्थान बना सकेगा।

आपकी प्रतिक्रियाएँ हमारे लिए पथ-प्रदर्शक होंगी। अत: इस अंक के बारे में अपनी राय, विचार हमें अवश्य भेजें। इससे पत्रिका के आगामी अंक को और बेहतर बनाने में हमें सहयोग प्राप्त होगा।

मैं, राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियों के प्रकाशन में सहयोग देने के लिये एमसीएल मुख्यालय के सभी विभागों एवं क्षेत्रीय कर्मियों को बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ।

बी.सी.त्रिपाठी

(बी.सी.त्रिपाठी)
महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मा.सं.वि.)

एमसीएल में वर्ष 2015-16 के दौरान राजभाषा अनुपालन की झलकियाँ

❖ राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

कार्पोरेट स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की निर्धारित तिमाही बैठकों का आयोजन क्रमश: दिनांक 30.06.2015, 14.09.2015, 26.12.2015 एवं 26.02.2016 को किया गया है।

❖ राजभाषा कार्यशाला

वर्ष 2015-16 के दौरान मुख्यालय एवं क्षेत्रों में आयोजित कुल 12 कार्यशालाओं में 506 कार्मिकों को हिन्दी पत्राचार एवं राजभाषा नीति से संबंधित जानकारी दी गई है ।

❖ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का संचालन

संबलपुर स्थित केन्द्रीय सरकार के विभिन्न कार्यालयों, बैंकों एवं उपक्रमों आदि में से एमसीएल एक बड़ा सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में प्रतिवर्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन की 02 बैठकें आयोजित की जाती है। वर्ष 2015 में क्रमश: 30.06.2015 एवं 27.11.2015 को बैठकें आयोजित की गई जिनमें सम्बलपुर स्थित केन्द्रीय सरकार के 45 कार्यालयों, बैंकों एवं उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख एवं उनके प्रतिनिधि गण उपस्थित हुए।

सभी सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए प्रोत्साहन स्वरूप वर्ष 2015 से नराकास राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता प्रारंभ की गई है, जिसमें वर्ष 2015 में बेहतर राजभाषा कार्यान्वयन के लिए दिनांक 27.11.2015 को अध्यक्ष महोदय के करकमलों से निम्नलिखित कार्यालयों को नराकास राजभाषा शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए :-

प्रथम पुरस्कार	: **महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड,** मुख्यालय, संबलपुर
द्वितीय पुरस्कार	: **भारतीय स्टेट बैंक,** प्रशासनिक कार्यालय, संबलपुर
तृतीय पुरस्कार	: **यूनियन बैंक,** आंचलिक कार्यालय,संबलपुर
सांत्वना पुरस्कार-I	: **भारतीय खाद्य निगम,** संबलपुर
सांत्वना पुरस्कार-II	: **दूरदर्शन केन्द्र,** संबलपुर

❖ भाषा प्रशिक्षण

कैलेण्डर वर्ष 2015 के दौरान मई, 2015 सत्र में 158 तथा नवम्बर,2015 सत्र में 135 कुल 293 कार्मिक हिन्दी प्रबोध,प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए । यह उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण कार्मिकों को कोल इंडिया लिमिटेड के नियमानुसार प्राप्तांक के आधार पर एकमुश्त नगद पुरस्कार दिया जाता है। इसके अलावा प्राज्ञ/अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर्मियों को नवम्बर 2008 से 01 वर्ष के लिये 01 वेतनवृद्धि के बराबर की राशि एकमुश्त प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाती है ।

❖ कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण/यूनिकोड प्रशिक्षण

गत 20 से 25 जुलाई,2015 एवं 08 से 13 फरवरी,2016 को मुख्यालय में कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित हिन्दी टंकण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 101 कार्मिक प्रशिक्षित हुए ।

❖ हिन्दी दिवस/पखवाड़ा

दिनांक 14.09.2015 को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया एवं 14 से 28 सितम्बर,2015 तक राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, द्वारा किया गया। इसी प्रकार राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ क्षेत्रों में भी किया गया, जिसमें हिंदी निबंध लेखन, वाद-विवाद, टिप्पण-आलेखन एवं कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त गृहणियों के लिये प्रश्न मंच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दिनांक 29.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

❖ अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन

एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन के अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से विभिन्न अवसरों पर अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश के कोने-कोने से जाने-माने कविगण भाग लेते हैं । दिनांक 29.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह एवं दिनांक 30.10.2015 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया ।

❖ विश्व हिन्दी दिवस

10 जनवरी, 2016 को एमसीएल मुख्यालय में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया । इसमें हिन्दी के विद्वान वक्ताओं को आमंत्रित किया गया एवं उन्हें सम्मानित किया गया।

❖ हिन्दी पुस्तकों की खरीद

एमसीएल मुख्यालय में हिंद ओड़िया एवं अंग्रेजी पुस्तकों की एक समृद्ध पुस्तकालय है । वर्ष 2015-16 के दौरान पुस्तकों की खरीद पर कुल व्ययित राशि रू. 87,785.00 में से रू. 77,785.00 का व्यय हिन्दी पुस्तकों एवं ओड़िया किताबों की खरीदी पर किया गया है, जो राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य (50%) से अधिक (88.60%) है ।

❖ राजभाषा कार्यान्वयन में यूनिकोड का उपयोग

कंपनी में कार्यरत कुल 1493 कंप्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय कराये गये हैं ।

❖ एमसीएल राजभाषा पुरस्कार योजना का शुभारंभ

एमसीएल में राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए क्षेत्रों एवं विभागों के लिए राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार योजना शुरू की गई है, जिसमें वर्ष 2014-15 हेतु क्षेत्रों/ईकाईयों/विभागों के लिए कुल 09 पुरस्कार का चयन किया गया, जिसे दिनांक 29.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन-सह-पुरस्कार वितरण

समारोह के अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के करकमलों से निम्नलिखित क्षेत्रों/ईकाईयों/विभागों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए:-

क्षेत्रों/इकाईयों के लिए:

प्रथम पुरस्कार	: ओरियंट क्षेत्र
द्वितीय पुरस्कार	: केन्द्रीय कर्मशाला, ईबवैली
तृतीय पुरस्कार	: हिंगुला क्षेत्र

मुख्यालय के विभागों के लिए(बड़े कार्यालय):

प्रथम पुरस्कार	: सुरक्षा(सेक्यूरिटी) विभाग
द्वितीय पुरस्कार	: उत्खनन विभाग
तृतीय पुरस्कार	: जनसंपर्क विभाग

मुख्यालय के विभागों के लिए(छोटे कार्यालय):

प्रथम पुरस्कार	: प्रणाली विभाग
द्वितीय पुरस्कार	: पर्यावरण विभाग
तृतीय पुरस्कार	: मानव संसाधन विकास विभाग

❖ राजभाषा पुरस्कार एवं सम्मान

- राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर द्वारा आयोजित नराकास राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता में **एमसीएल को प्रथम पुरस्कार** से नवाजा गया।
- वर्ष 2015-16 के दौरान एमसीएल एवं उनके निदेशकगण तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों द्वारा राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिये सम्मान स्वरूप पुरस्कार एवं शील्ड प्रदान किया गया जो निम्नवत है:

01. राजभाषा विकास संस्थान, देहरादून द्वारा 14 से 16 अक्टूबर,2015 तक मदुरै में आयोजित सेमिनार में प्रदत्त सम्मान:

- एमसीएल को भारत सरकार की राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए **"राजभाषा श्री"** सम्मान
- **श्री ए.एन.सहाय,** अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय को **"विशेष राजभाषा श्री "** सम्मान ।
- **श्री पी.सी.पाणिग्राही,** निदेशक(कार्मिक) को **"राजभाषा कीर्ति "** सम्मान ।
- **श्री जी.देहुरी,** महाप्रबंधक(मासंवि//प्रप्रशिसं/राजभाषा)को "**विशेष राजभाषा कीर्ति**" सम्मान ।
- **श्री मधुसूदन शर्मा,** महाप्रबंधक/निदेशक तकनीकी(संचालन) के तकनीकी सचिव को "**विशेष राजभाषा विशिष्टता**" और उनके आलेख के लिए **"वैज्ञानिक राजभाषा विशिष्टता"**सम्मान
- **श्री डी. मेहरा,** जनसंपर्क अधिकारी को **"विशेष राजभाषा विशिष्टता"** सम्मान।

❖ **श्री जी.पी.महापात्र**, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, ने.श.के.चिकि.तालचेर को "**विशेष राजभाषा विशिष्टता सम्मान**" से नवाजा गया ।

02. राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास, गाजियाबाद द्वारा प्रदत्त सम्मान:

राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास,गाजियाबाद द्वारा दिनांक 17.04.2015 को नई दिल्ली में आयोजित 20वां अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा विकास एवं सम्मान समारोह में **एमसीएल को राजभाषा उत्कृष्टता सम्मान-2015** एवं दिनांक 25.10.2015 को फरीदाबाद में आयोजित 21वां अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा विकास एवं सम्मान समारोह में "**उत्कृष्टता संस्थागत सम्मान**" से नवाजा गया।

०३. भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान:

मुन्नार में दिनांक 29 अप्रैल से 01 मई,2015 तक आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन के लिए एमसीएल को 2015 के लिए "**राजभाषा शिरोमणि पुरस्कार**" से नवाजा गया।

04. राजभाषा अकैडमी, दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान

गैंगटोक(सिक्कीम) में दिनांक 4 से 6 अगस्त, 2015 तक राजभाषा अकैडमी, दिल्ली द्वारा आयोजित राजभाषा सेमिनार में एमसीएल को बेहतर राजभाषा कार्यान्वयन के लिए "**उत्कृष्ट राजभाषा सम्मान**" से नवाजा गया है।

05. राजभाषा सेवा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान

गोवा में दिनांक 07 से 09 अक्टूबर 2015 तक आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा अधिनियम, नियम आदि के उत्कृष्ट अनुपालन के लिए एमसीएल को "**उत्कृष्ट राजभाषा अनुपालन**" एवं नराकास, संबलपुर की गृह पत्रिका "**संबलप्रभा**" को "**श्रेष्ठ हिंदी पत्रिका**" पुरस्कार से नवाजा गया।

राजभाषाई निरीक्षण

राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिये वर्ष 2015-16 में कुल 05 क्षेत्रों का राजभाषाई निरीक्षण किया गया ।

❖ राजभाषा नीति से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 3(3) का शत प्रतिशत अनुपालन करने हेतु तीव्र गति से प्रयास जारी है।
- राजभाषा नियम 1976 के उप नियम 5 के अनुसार हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर शत प्रतिशत हिन्दी में दिया जाता है ।
- एमसीएल से 'क', ख एवं ग क्षेत्रों को हिन्दी में किये गये पत्राचार की प्रतिशतता 55% से अधिक है, जो भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य से ऊपर है ।
- भारत सरकार द्वारा 'ग' क्षेत्र के लिये निर्धारित हिन्दी टिप्पण का लक्ष्य 30%है, जिसकी उपलब्धि लक्ष्य से काफी ऊपर है ।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए राजभाषा कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेण्डर, 2016-17

क्र.सं.	क्षेत्र का नाम	कार्यशाला (तिमाही वार)	तिमाही बैठक (तिमाही वार)	राजभाषा पखवाड़ा
1.	तालचेर	मई,2016	अप्रैल,जुलाई,अक्टूबर,2016 एवं जनवरी,2017	सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक 14 से 28 सितम्बर,2016 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया जाएगा तथा इस हेतु खर्च के लिए वर्ष 2016-17 के वित्तीय बजट में आवश्यकतानुसार प्रावधान रखा जाए।
2.	जगन्नाथ	जुलाई, 2016	मई,अगस्त,नवंबर,2016 एवं फरवरी,2017	
3.	भरतपुर	अक्टूबर, 2016	जून,सितम्बर,दिसम्बर,2016 एवं मार्च,2017	
4.	हिंगुला	फरवरी,2017	अप्रैल,जुलाई,अक्टूबर,2016 एवं जनवरी,2017	
5.	केंद्रीय कर्मशाला,तालचेर	मार्च,2017	मई,अगस्त,नवंबर,2016 एवं फरवरी,2017	
6.	लिंगराज	दिसम्बर,2016	जून,सितम्बर,दिसम्बर,2016 एवं मार्च,2017	
7.	ईब वैली	अप्रैल,2016	अप्रैल,जुलाई,अक्टूबर,2016 एवं जनवरी,2017	
8.	ओरियेंट	जून, 2016	मई,अगस्त,नवंबर,2016 एवं फरवरी,2017	
9.	बसुन्धरा	अगस्त, 2016	जून,सितम्बर,दिसम्बर,2016 एवं मार्च,2017	
10.	लखनपुर	नवंबर, 2016	अप्रैल,जुलाई,अक्टूबर,2016 एवं जनवरी,2017	
11.	केंद्रीय कर्मशाला,ईब वैली	जनवरी,2017	मई,अगस्त,नवंबर,2016 एवं फरवरी,2017	
12.	कणिहा	दिसम्बर,2016	जून,सितम्बर, दिसम्बर,2016 एवं मार्च,2017	
13.	एनएससीएच,तालचेर	मई,2016	अप्रैल,जुलाई,अक्टूबर,2016 एवं जनवरी,2017	
14.	एमसीएल कार्यालय, भुवनेश्वर	--	मई,अगस्त,नवंबर,2016 एवं फरवरी, 2017	
15.	एमसीएल कार्यालय, कोलकाता	--	जून,सितम्बर,दिसम्बर,2016 एवं मार्च,2017	
	❖ *क्षेत्रीय कार्यालय अपने पूरे कोयलांचल (ईब / तालचेर) के लिए राजभाषा कार्यशाला का आयोजन करेंगे जिसमें कोयलांचल स्थित अन्य क्षेत्रों से प्रतिभागियों को बुलाएंगे ।* ❖ *तिमाही की समाप्ति के बाद 05 तारीख तक तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग,मुख्यालय को अनिवार्य रूप से भेजेंगे।*			

एमसीएल मुख्यालय के लिए राजभाषा कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेण्डर, 2016-17

महीनों के नाम	कार्यक्रमों के नाम
अप्रैल,2016	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना, कार्यशाला ➔ **दिनांक 23.04.2016**
मई, 2016	तिमाही बैठक, हिंदी भाषा प्रशिक्षण की परीक्षा
जून, 2016	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,संबलपुर की बैठक एवं टंकण प्रशिक्षण ➔ **दिनांक 20 से 25 जून**
जुलाई,2016	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना एवं राजभाषा कार्यशाला ➔ **28.07.2016**
अगस्त,2016	तिमाही बैठक
सितम्बर,2016	राजभाषा पखवाड़ा/हिंदी दिवस का आयोजन/सांस्कृतिक कार्यक्रम 14.09.2016 से 28.09.2016 तक
अक्टूबर,2016	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना एवं राजभाषा कार्यशाला ➔ **22.10.2016**
नवंबर, 2016	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,संबलपुर की बैठक /भाषा प्रशिक्षण की परीक्षा एवं तिमाही बैठक
दिसम्बर,2016	टंकण प्रशिक्षण 12-17
जनवरी,2017	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना / विश्व हिंदी दिवस/राजभाषा सेमिनार ➔ **10.01.2017**
फरवरी,2017	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं अनुवाद प्रशिक्षण
मार्च,2017	नामित राजभाषा अधिकारियों की बैठक एवं वार्षिक कार्यक्रम ➔ 2017-18 पर चर्चा ।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम

राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निदेश

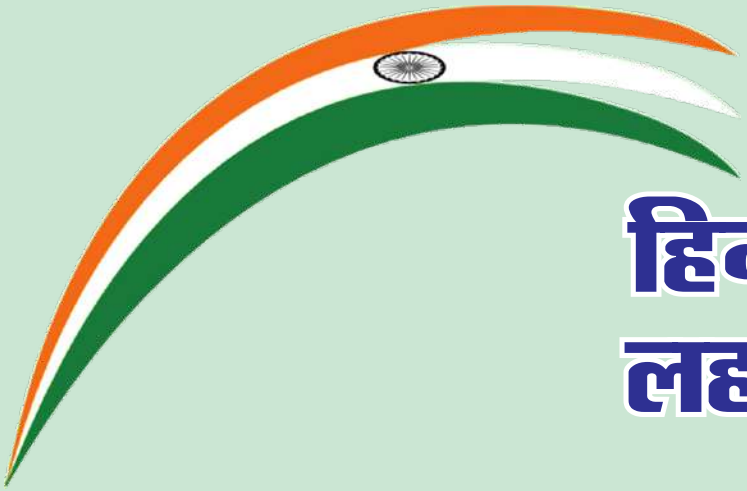

हिन्दी परचम,
लहराए हरदम

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3)

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कुल 14 कागजात :

- इसके अंतर्गत आनेवाले निम्नलिखित कागजातों को द्विभाषी रूप में जारी करना वैधानिक रूप से आवश्यक ही नहीं बल्कि अनिवार्य है, ये निम्न प्रकार हैं :-
- संकल्प,सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन तथा प्रेस विज्ञप्तियॉं ।
- Resolutions, General Orders, Rules, Notifications, Administrative and other reports and Press communiqués.
- संविदाएं, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञा पत्र, निविदा–सूचनाएं तथा निविदा प्रारूप,संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे जानेवाले प्रशासनिक तथा अन्य प्रतिवेदन और राजकीय कागजात ।
- Contracts, Agreements, Licenses, Permits, Tender Notices and Tender Forms, Administrative and other Reports and Official Documents to be laid down before a House or Houses of Parliament.

कोल इंडिया या एमसीएल से संबंधित धारा 3(3) के सिर्फ निम्न 07 कागजात जिन्हें द्विभाषी करना है

- सामान्य आदेश - General Orders,
- प्रेस विज्ञप्तियां - Press Communiqués
- निविदा सूचनाएं तथा निविदा प्रारूप - Tender Notices &Tender Forms .
- करार - Agreements.
- संविदाएं - Contracts.
- प्रशासनिक या अन्य रिपोर्ट - Administrative and other Reports
- कोयला विक्रय आदेश - Coal Sale Orders

सामान्य आदेश/ General Orders

राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 3(3) के अनुसार सामन्य आदेश में निम्नलिखित सम्मिलित हैं-:

- ऐसे सभी आदेश,निर्णय या अनुदेश जो विभागीय प्रयोग के लिए और जो स्थायी प्रकार के हों।
- ऐसे सभी आदेश,अनुदेश,पत्र,ज्ञापन,नोटिस आदि जो सरकारी कर्मचारियों के समूह अथवा समूहों के संबंध में हों या उनके लिए हों ।
- ऐसे सभी परिपत्र जो विभागीय प्रयोग के लिए हों या सरकारी कर्मचारियों के लिए हों ।

राजभाषा नियम -1976

- केंद्रीय सरकार ने प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुल 12 नियम बनाए हैं जो तमिलनाडु के सिवाय संपूर्ण भारत पर लागू हैं। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दृष्टि से भारत के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वर्गीकृत किया गया है-:
- क-क्षेत्र : बिहार, झारखंड ,हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल,दिल्ली तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र ।
- ख-क्षेत्र : गुजरात,महाराष्ट्र, पंजाब तथा चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र
- ग-क्षेत्र : उपर्युक्त क - क्षेत्र एवं ख - क्षेत्र में न शामिल किए गए शेष सभी राज्य /संघ राज्य क्षेत्र ग -क्षेत्र में आते हैं । अत: ओड़िशा स्थित महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड भी शामिल है ।

राजभाषा नियम 1976 के प्रमुख नियम

- नियम-5 : इसके अंतर्गत किसी भी कार्यालय या व्यक्ति से प्राप्त होनेवाले हिंदी पत्रों का जवाब हिंदी में देना अनिवार्य है।
- नियम-6 : धारा 3(3) के अंतर्गत आनेवाले समस्त दस्तावेज हिंदी एवं अंग्रेजी में जारी करना अनिवार्य है।
- नियम-7 : कोई आवेदन,अभ्यावेदन या अपील अंग्रेजी में बनाया गया हो एवं उस पर हिंदी में हस्ताक्षर किए गए हों तो उसका उत्तर हिंदी में दिया जाएगा। यदि कोई कर्मचारी यह चाहता है कि सेवा संबंधी विषयों)यथा -अनुशासनिक कार्यवाहियाँ(से संबंधित कोई आदेश या सूचना,जिसका कर्मचारी पर तामिल किया जाना अपेक्षित है, हिंदी या अंग्रेजी में होना चाहिए, तो वह उसे अबिलम्ब उसी भाषा में दी जाएगी।
- कोई कर्मचारी किसी फाइल पर टिप्पणी या मसौदा हिंदी या अंग्रेजी में लिख सकता है। उससे दूसरी भाषा में अनुवाद की अपेक्षा नहीं की जाएगी।
- केंद्रीय सरकार का कोई भी कर्मचारी जो हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखता है,हिंदी में किसी दस्तावेज के अंग्रेजी अनुवाद की मांग तभी कर सकता है जब वह दस्तावेज विधिक या तकनीकी प्रकृति का हो, अन्यथा नहीं।
- विधिक दस्तावेज का निर्धारण कार्यालय प्रमुख करेगा।

. नियम-8(4) : केंद्र सरकार आदेश द्वारा ऐसे अधिसूचित कार्यालयों को विनिर्दिष्ट (specify) कर सकती है,जहां कर्मचारियों को हिंदी में प्रवीणता प्राप्त है। इसके पश्चात वहॉ नोटशीट, पत्राचार तथा अन्य शासकीय प्रयोजनों के लिए केवल हिंदी में कार्य किया जाएगा।

नियम- 9 : हिंदी में प्रवीणता प्राप्त:

- यदि किसी कर्मचारी ने मैट्रिक या समतुल्य या उससे उच्चतर कोई परीक्षा हिंदी माध्यम में पास की है,या
- स्नातक या समतुल्य या उससे उच्चतर किसी अन्य परीक्षा में हिंदी को एक बैकल्पिक विषय के रूप में लिया हो,या
- वह स्वयं विहित फार्म में हिंदी में अपनी प्रवीणता घोषित कर दे, तो यह समझा जाएगा कि उसने हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कर ली है।

·नियम - 10 : हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान:

- यदि किसी कर्मचारी ने मैट्रिक या समतुल्य या उससे उच्चतर कोई परीक्षा हिंदी विषय के साथ पास की है, या
- केंद्रीय सरकार के हिंदी शिक्षण योजना के तहत आयोजित प्राज्ञ परीक्षा या उस निमित्त विनिदिष्ट कोई अन्य परीक्षा पास की हो , या
- वह स्वयं विहित फार्म में हिंदी में अपने कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त किए जाने की घोषणा कर दे, तो यह समझा जाएगा कि उसने हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

नियम – 10(4) :

- केन्द्रीय सरकार के जिन कार्यालयों के 80% कर्मचारियों/ अधिकारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, उन कार्यालयों के नाम नियम 10(4) के तहत राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे, परन्तु,
- केन्द्रीय सरकार की राय है कि किसी अधिसूचित कार्यालय में काम करने वाले और हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत किसी तारीख से 80% से कम हो गया है, तो वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उद्घोषित कर सकती है कि उक्त कार्यालय उस तारीख से अधिसूचित कार्यालय नहीं रह जाएगा।

राजभाषा नियम - 11 :

- केंद्र सरकार से संबंधित सभी मैनुअल,संहिताएं और प्रक्रिया संबंधी अन्य साहित्य हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी रूप में जारी होंगे।
- रजिस्टरों के प्रारूप और शीर्षक द्विभाषी(हिंदी एवं अंग्रेजी) रूप में होंगे।
- केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के सभी नामपट्ट, सूचनापट्ट ,पत्र शीर्ष एवं लिफाफा पर लिखे गए लेख तथा लेखन सामग्री की अन्य मदें द्विभाषी(हिंदी एवं अंग्रेजी) रूप में होंगे।

राजभाषा नियम – 12 :

अनुपालन का उत्तरदायित्व/ Responsibility of implementation

केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का उत्तरदायित्व है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालय में राजभाषा अधिनियम, नियमों, वार्षिक कार्यक्रमों का समुचित अनुपालन/ कार्यान्वयन किया जा रहा है।

राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निदेश

1. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें प्रेस विज्ञप्तियां, संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें सरकारी कागजात, संविदा, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञापत्र, निविदा सूचनाएं और निविदा प्रपत्र द्विभाषिक रूप में, अंग्रेजी और हिंदी दोनों में जारी किए जाएं । किसी प्रकार के उल्लंघन के लिए हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा ।

2. अधीनस्थ सेवाओं की भर्ती परीक्षाओं में अंग्रेजी के अनिवार्य प्रश्न पत्र को छोड़कर शेष विषयों के प्रश्न पत्रों के उत्तर हिंदी में भी देने की छूट दी जाए और ऐसे प्रश्न पत्र अंग्रेजी तथा हिंदी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराए जाएं । साक्षात्कार में भी वार्तालाप में हिंदी माध्यम की उपलब्धता अनिवार्य रूप से रहनी चाहिए ।

केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों तथा उनसे संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों तथा केंद्र सरकार के स्वामित्व में या नियंत्रणाधीन निगमों, उपक्रमों, बैंकों आदि में सभी सेवाकालीन विभागीय तथा पदोन्नति परीक्षाओं में (अखिल भारतीय स्तर की परीक्षाओं सहित) अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्रों के उत्तर हिंदी में भी देने की छूट दी जाए । प्रश्न पत्र अनिवार्यत: दोनों भाषाओं (हिंदी और अंग्रेजी) में तैयार कराए जाएं । जहां साक्षात्कार लिया जाना हो, वहां भी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने का विकल्प दिया जाए ।

3. सभी प्रकार की वैज्ञानिक/तकनीकी संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि में वैज्ञानिकों आदि को राजभाषा हिंदी में शोध पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए । उक्त शोध पत्र संबद्ध मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि के मुख्य विषय से संबंधित होने चाहिएं ।

4. 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों में सभी प्रकार का प्रशिक्षण, चाहे वह अल्पावधि का हो अथवा दीर्घावधि का, सामान्यत: हिंदी माध्यम से होना चाहिए । 'ग' क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराई जाए और प्रशिक्षणार्थी की मांग के अनुसार हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जाए ।

5. केंद्र सरकार के कार्यालयों में जब तक हिंदी टंकण करने वाले व हिंदी आशुलिपिक संबंधी निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लिए जाते, तब तक उनमें केवल हिंदी टंकण करने वाले व हिंदी आशुलिपिक ही भर्ती किए जाएं।

6. अंतर्राष्ट्रीय संधियों और करारों को अनिवार्य रूप से हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराया जाए। विदेशों में निष्पादित संधियों और करारों के प्रामाणिक अनुवाद तैयार कराके रिकॉर्ड के लिए फाइल में रखे जाएं ।

7. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित बैंकों की शाखाओं में निम्नलिखित कार्य हिंदी में किए जाएं-

ग्राहकों द्वारा हिंदी में भरे गए आवेदनों और ग्राहकों की सहमति से अंग्रेजी में भरे गए आवेदनों पर जारी किए जाने वाले मांग ड्राफ्ट, भुगतान आदेश, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सभी प्रकार की सूचियां, विवरणियां,सावधि जमा रसीदें, चैक बुक संबंधी पत्र आदि, दैनिक बही, मस्टर, प्रेषण बही, पास बुक, लॉग बुक में प्रविष्टियां, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, सुरक्षा ग्राहक सेवा संबंधी कार्य, नये खाते खोलना, लिफाफों पर पते लिखना, कर्मचारियों के यात्रा भत्ते, अवकाश, भविष्य निधि, आवास निर्माण अग्रिम, चिकित्सा संबंधी कार्य, बैठकों की कार्यसूची कार्यवृत्त आदि ।

8. विदेश स्थित भारतीय कार्यालयों सहित सभी मंत्रालयों/विभागों आदि की लेखन सामग्री, नाम पट्ट, सूचना पट्ट, फार्म प्रक्रिया संबंधी साहित्य, रबड़ की मोहरें, निमंत्रण पत्र आदि अनिवार्य रूप से हिंदी- अंग्रेजी में बनवाए जाएं ।

9. भारत सरकार के मंत्रालयों, कार्यालयों, विभागों, बैंको, उपक्रमों आदि द्वारा असांविधिक प्रक्रिया साहित्य जैसे नियम, कोड, मैनुअल, मानक फार्म आदि को अनुवाद कराने के लिए केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो को भेजा जाए ।

10. अनुवाद कार्य तथा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में अनिवार्य अनुवाद प्रशिक्षण हेतु नामित किया जाए । ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों को भी अनुवाद के प्रशिक्षण पर नामित किया जा सकता है, जिन्हें स्नातक स्तर पर हिंदी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं का ज्ञान हो तथा जिनकी सेवाओं का उपयोग कार्यालय द्वारा इस कार्य के लिए किया जा सकता है ।

11. भारतीय प्रशासनिक सेवा और अन्य अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रशिक्षण के दौरान हिंदी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाता है, ताकि सरकारी कामकाज में वे इसका प्रयोग कर सकें । तथापि, अधिकांश अधिकारी सेवा में आने के पश्चात सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग नहीं करते । इससे उनके अधीन कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों में सही संदेश नहीं जाता । परिणामस्वरूप, सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग अपेक्षित मात्रा में नहीं हो पाता । मंत्रालयों/विभागों/ कार्यालयों/उपक्रमों आदि के वरिष्ठ अधिकारियों का यह संवैधानिक दायित्व है कि वह अपने सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें । इससे उनके अधीन कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रेरणा मिलेगी तथा राजभाषा नीति के अनुपालन में गति मिलेगी ।

12. सभी मंत्रालय/विभाग आदि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए चलाई गई विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का अपने संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों में भी व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक अधिकारी/कर्मचारी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें और सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो ।

13. तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन सिस्टम द्वारा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के अगले माह की 15 तारीख तक राजभाषा विभाग को उपलब्ध करा दी जाए ।

14. सरकार की राजभाषा नीति के प्रति अधिकारियों/कर्मचारियों को सुग्राही बनाने की दृष्टि से यह आवश्यक है कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा को मात्र राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों तक ही सीमित न रखा जाए । इस संबंध में मॉनीटरिंग को और अधिक प्रभावी और कारगर बनाने के लिए यह जरूरी है कि मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों द्वारा ली जाने वाली प्रत्येक बैठक में इस पर नियमित रूप से विस्तृत चर्चा की जाए और इसे कार्यसूची की एक स्थायी मद के रूप में शामिल किया जाए ।

15. प्रशिक्षण और कार्यशालाओं सहित राजभाषा हिंदी संबंधी कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में बैठने के लिए अच्छा व समुचित स्थान भी उपलब्ध कराया जाए ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वाह ठीक तरह से कर सकें ।

16. राजभाषा विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों को नामित करें और नामित कर्मचारियों को निदेश दें कि वे नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहें, पूरी तत्परता से प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा परीक्षाओं में बैठें/प्रशिक्षण को बीच में छोड़ने या परीक्षाओं में न बैठने वाले मामलों को कड़ाई से निपटा जाए ।

17. अनुवादकों को सहायक साहित्य,मानक शब्दकोश (अंग्रेजी-हिंदी व हिंदी-अंग्रेजी) तथा अन्य तकनीकी शब्दावलियां उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे अनुवाद कार्य में इनका उपयोग करें ।

18. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि हिंदी में प्रशिक्षण के लिए नामित अधिकारियों/कर्मचारियों के लाभ के लिए 'लीला हिंदी प्रबोध, प्रवीण व प्राज्ञ' आदि सॉफ्टवेयर के उपयोग के लिए कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध करवाएं ।

19. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि अपने-अपने दायित्वों से संबंधित विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने तथा अपने विषयों से संबंधित शब्द भंडार को समृद्ध करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं ।

20. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि अपने केंद्रीय सेवाओं के प्रशिक्षण संस्थानों में राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण की व्यवस्था उसी स्तर पर करें जिस स्तर पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में कराई जाती है और अपने विषयों से संबंधित साहित्य का सृजन करवाएं जिससे प्रशिक्षण के बाद अधिकारी अपने कामकाज सुविधापूर्वक राजभाषा हिंदी में कर सकें ।

21. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय/संस्थान आदि अपने कार्यालय में हिंदी में कार्य का माहौल तैयार करने के लिए हिंदी पत्रिकाओं का प्रकाशन कर रहे हैं । इन पत्रिकाओं में विशेषकर उक्त कार्यालय के सामान्य कार्यों तथा राजभाषा हिंदी से संबंधित आलेख प्रकाशित किए जाएं ।

22. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की छमाही बैठकों में सदस्य कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख अनिवार्य रूप से भाग लें ।

23. सभी मंत्रालय विभाग अपने संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के बारे में वर्ष 2015-16 के वार्षिक कार्यक्रम से संबंधित समेकित अनुपालन रिपोर्ट राजभाषा विभाग को 31 मई, 2016 तक भिजवाना सुनिश्चित करें।

24. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि 'लीला' अर्थात लर्निंग इंडियन लैंग्वेज थ्रू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के लिए कम्प्यूटर सुविधा उपलबध कराएं ।

25. कम्प्यूटर पर हिंदी प्रयोग के लिए केवल यूनिकोड इनकोडिंग का प्रयोग किया जाए ।

26. यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मंत्रालयों/ विभागों आदि द्वारा प्रयोग में लाई जा रही कंप्यूटर प्रणालियों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा हो और उसका प्रयोग किया जाए ।

सम्पर्क में सहज - हिन्दी,
कार्य में सहज - हिन्दी,
बात में सरल - हिन्दी,
समझने में सरल - हिन्दी

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2016-17 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल, फैक्स, बेतार संदेश, आदि सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% 4. क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति 100%	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4.ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 100%	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 85%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
5.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
6.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
7.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
8.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोडकर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/ डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकोंकी खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
9.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद ।	100%	100%	100%
10.	वेबसाइट	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)
11.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2016-17 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
12.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारयों) (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
13.	राजभाषा संबंधी बैठकें (क) हिंदी सलाहकार समिति (ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 2 बैठकें (कम से कम) वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक) वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
14.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%		

15.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हो ।	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
		40%	30%	20%

(न्यूनतम अनुभाग)

सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों/निगमों आदि, जहां अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं है,"क" क्षेत्र में कुल कार्यक्षेत्र का 40%,"ख" क्षेत्र में 25% और 'ग" क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया जाए ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 30.06.2015

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, जागृति विहार में दिनांक 30.06.2015 को एमसीएल मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक श्री जीतेन्द्र सिंह,मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।

बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (मासंवि/प्रबं.प्रशि. एवं राजभाषा) श्री जी. देहुरी ने अध्यक्ष महोदय एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजभाषा नीतियों का शत प्रतिशत अनुपालन करना हम सभी की जिम्मेवारी है। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु अपने-अपने स्तर से प्रयास करें।

अध्यक्ष महोदय ने एमसीएल में वर्तमान में हो रहे राजभाषा कार्यान्वयन पर संतोष जाहिर किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में सभी क्षेत्रीय/विभागीय प्रमुखों को राजभाषा कार्यान्वयन के तहत धारा 3(3) के शत प्रतिशत अनुपालन, हिंदी पत्राचार एवं हिंदी टिप्पण के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु अपने स्तर पर प्रयास करने पर बल दिया, चूँकि राजभाषा नीतियों का अनुपालन भारतीय संविधान से जुड़ा हुआ है और हम सभी की एक संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मदारी है। अत: हम सभी को इसका पूर्णतया अनुपालन करना है।

बैठक में डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के साथ-साथ मुख्यालय स्थित विभागों एवं क्षेत्रों के प्रमुख/प्रतिनिधि एवं नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण उपस्थित हुए।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक ने संबलपुर केंद्र के एमसीएल इकाई में चलाए जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं हिंदी टंकण तथा आशुलिपि प्रशिक्षण हेतु कक्षाओं के गठन के लिए प्रयास करने के संबंध में सुझाव दिए।

श्री बी. आर. साहू, वरिष्ठ अधिकारी (सचिवीय/ राजभाषा) ने बैठक के संचालन के साथ-साथ पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की । इसी दौरान गत तिमाही की राजभाषा प्रगति से संबंधित गतिविधियां पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

बैठक का बैनर

बैठक को संबोधित करते हुए श्री जीतेन्द्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन)

बैठक को संबोधित करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर

बैठक में राजभाषा प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए श्री बी.आर.साहू कलिहारी, वरि.अधि.(सचिवीय/रा.भा.)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 14.09.2015

एमसीएल मुख्यालय में दिनांक 14.09.2015 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक श्री दीपक श्रीवास्तव,मुख्य सतर्कता अधिकारी,आईएफएस, एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। श्री पी.सी. पाणिग्राही, निदेशक (कार्मिक), एमसीएल सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इनके अलावा श्री जी. देहूरी, महाप्रबंधक (मासंवि/ प्र.प्रशि.सं. एवं राजभाषा), डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर के साथ-साथ मुख्यालय स्थित विभागों एवं क्षेत्रों के विभागीय एवं क्षेत्रीय प्रमुख/प्रतिनिधि, नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण बैठक में उपस्थित हुए।

बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (मासंवि/प्रबं.प्रशि. एवं राजभाषा) श्री जी. देहुरी ने अध्यक्ष महोदय,अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए राजभाषा नीतियों का शत-प्रतिशत अनुपालन करने हेतु अपील करते हुए कहा राजभाषा नीतियों का अनुपालन भारतीय संविधान से जुड़ा हुआ है और इसका पूर्णतया अनुपालन हम सभी की एक संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मदारी है।

अध्यक्ष महोदय ने हिंदी की महत्ता एवं आज के दिन में इसकी प्रयोजनमूलकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने छोटे-छोटे वाक्यांशों से हिंदी टिप्पणी लिखने की आदत डालने पर जोर दिया जिससे बाद में हिंदी में लिखना सहज हो जाएगा। उन्होंने अपने सेवा जीवन से जुड़े कुछ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भाषा संबंधी अपने अनुभवों से सदन को अवगत कराया जो कि प्रेरणामूलक है।

श्री पाणिग्राही ने एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की सराहना करते हुए भारत सरकार की राजभाषा नीति के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु बल दिया। उन्होंने आगे कहा कि ओड़िया भाषा के अधिकांश शब्द हिंदी शब्दों से मिलते-जुलते है,अत: बेहिचक हिंदी बोलने एवं लिखने की आदत डालनी चाहिए।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक ने संबलपुर केंद्र ने हिंदी की महत्ता एवं एमसीएल में चलाए जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण से संबंधित कई सुझाव दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर

राजभाषा प्रतिवेदन का अवलोकन करते हुए श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक)

बैठक को संबोधित करते हुए श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी

बैठक को संबोधित करते हुए श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक)

बैठक का दृश्य

बैठक को संबोधित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./रा.भा.)

बैठक के दौरान एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ 2014-15 का विमोचन करते हुए श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक),

पत्रिका अवलोकन करते हुए श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक)

बैठक में राजभाषा प्रगति प्रतिवेदन को पावर प्वाइंट से प्रस्तूति देते हुए श्री बी.आर.साहू कलिहारी, वरि.अधिकारी(सचिवीय/राजभाषा)

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार, संबलपुर

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 26.12.2015

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 26.12.2015 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एमसीएल के निदेशक(कार्मिक) श्री पी.सी. पाणिग्राही की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं एवं राजभाषा) ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में श्री त्रिपाठी ने कहा कि एमसीएल के समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों को राजभाषा नीति,नियम एवं अधिनियम का शत-प्रतिशत अनुपालन करने हेतु हिंदी में कार्य करना नितान्त आवश्यक है।

अध्यक्ष महोदय श्री पाणिग्राही के कर-कमलों से राजभाषा विभाग की हिंदी गृह पत्रिका 'एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियां' के तृतीय अंक का विमोचन किया गया। पत्रिका की सराहना की गई। अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि यदि हमलोग हिंदी में कार्य करना चाहें तो कुछ भी असंभव नहीं है। मन में संकोच करेंगे तो काफी दिक्कतें दिखाई देंगी। जो क्षेत्र या विभाग धारा 3(3) का शत-प्रतिशत अनुपालन कर रहे हैं उन्हीं का अनुसरण करते हुए अन्य क्षेत्र एवं विभाग के अधिकारी/कर्मचारी भी राजभाषा हिंदी में कार्य करने की मानसिकता बनायें एवं जल्द से जल्द राजभाषा लक्ष्य को प्राप्त करने का निश्चय करें, क्योंकि राजभाषा नीति का अनुपालन करना न केवल हमारा वैधानिक दायित्व है बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेवारी भी है, अत: हमें पूरे संकल्पित भाव से राजभाषा हिंदी में कार्य करना चाहिए।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार, संबलपुर द्वारा एमसीएल में चलाये जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण पर संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

बैठक में मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी,नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण के साथ-साथ भारत सरकार,हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के सर्वकार्यभारी अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं कौशल विकास), एमसीएल श्री एन. के. ओझा तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

हिन्दी हमारी मातृभाषा है; मात्र एक भाषा नहीं.

बैठक को संबोधित करते हुए श्री पी. सी. पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 26.02.2016

एमसीएल मुख्यालय में दिनांक 26.02.2016 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एमसीएल के निदेशक(कार्मिक) श्री एल.एन. मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में इनके अतिरिक्त मुख्यालय स्थित विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी,नामित राजभाषा अधिकारी के साथ-साथ भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के सर्वकार्यभारी अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं कौशल विकास/ मासंवि),एमसीएल श्री एन.के. ओझा एवं डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान एवं राजभाषा) द्वारा अध्यक्ष महोदय का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की रूप-रेखा का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया एवं केंद्र सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा जाहिर की।

अध्यक्ष महोदय ने अपने आशीवर्चन में कहा एमसीएल के सभी क्षेत्रों एवं विभागों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम के तहत राजभाषा प्रचार-प्रसार एवं विकास के लिए जो प्रयास किया जा रहा है, वह सराहनीय है फिर भी इसे और आगे बढ़ाना है ताकि एमसीएल में राजभाषा नीति का पूर्णतया अनुपालन हो। भारत सरकार की राजभाषा नीति का शत-प्रतिशत अनुपालन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है,अत: हम सभी को स्वस्थ मानसिकता से कार्य करने की आवश्यकता है।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार, संबलपुर द्वारा एमसीएल में चलाये जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण से संबंधित एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री एल.एन.मिश्रा, निदेशक (कार्मिक)

बैठक का दृश्य

राजभाषा पखवाड़ा 2015 का बैनर

श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)

श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक) का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)

मंगलदीप प्रज्जवलन करते हुए श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक)

मंगलदीप प्रज्जवलन करते हुए डॉ. मुरारीलाल शर्मा, विभागाध्यक्ष(हिंदी) संबलपुर विश्वविद्यालय

राजभाषा पखवाड़ा 2015 का उद्घाटन

एमसीएल मुख्यालय,जागृति विहार में दिनांक 14.09.2015 को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा-2015 का उद्घाटन समारोह श्री दीपक श्रीवास्तव,मुख्य सतर्कता अधिकारी,आईएफएस एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। श्री पी.सी. पाणिग्राही, निदेशक (कार्मिक), एमसीएल सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। हिंदी दिवस के अवसर पर आमंत्रित अतिथि डॉ. मुरारीलाल शर्मा, विभागाध्यक्ष (हिंदी), स्नातकोत्तर विभाग), संबलपुर विश्वविद्यालय बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित हुए। इनके अतिरिक्त श्री जी. देहूरी, महाप्रबंधक (मासंवि/ प्र.प्रशि.सं एवं राजभाषा), डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के साथ-साथ मुख्यालय स्थित विभागों एवं क्षेत्रों के विभागीय एवं क्षेत्रीय प्रमुख/प्रतिनिधि, नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण बैठक में उपस्थित हुए।

माँ सरस्वती की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि एवं मंगल दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. शर्मा का शॉल,श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक (मासंवि/प्रबं.प्रशि. एवं राजभाषा) श्री जी. देहुरी ने अध्यक्ष महोदय,अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए राजभाषा नीतियों का शत-प्रतिशत अनुपालन करने हेतु अपील की साथ ही एमसीएल में 14 से 28 सितम्बर, 2015 तक राजभाषा पखवाड़ा, 2015 खूब धूमधाम से मनाये जाने एवं राजभाषा के बेहतर प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित की जानेवाली विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने हेतु समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से अनुरोध किया। उन्होंने कहा राजभाषा नीतियों का अनुपालन भारतीय संविधान से जुड़ा हुआ है और इसका पूर्णतया अनुपालन हम सभी की एक संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मदारी है।

इसी क्रम में उप महाप्रबंधक(कार्मिक/ कौशल विकास) एवं सर्वकार्यभारी अधिकारी,हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार श्री एन.के. ओझा द्वारा माननीय कोयला मंत्री का संदेश एवं सचिव (कोयला) महोदय की अपील का वाचन किया गया।

मंगलदीप प्रज्जवलन करते हुए श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी

डॉ. मुरारीलाल शर्मा, विभागाध्यक्ष (हिंदी) संबलपुर विश्वविद्यालय का शॉल/श्रीफल से सम्मानित करते हुए श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी

हिंदी दिवस एवं राजभाषा पखवाड़ा-15 के उद्घाटन अवसर पर अतिथि वक्ता डॉ. शर्मा ने हिंदी की विवेचना जनभाषा, लोकभाषा, प्रयोजनमूलक भाषा एवं कार्यालयीन भाषा के रूप में बड़े ही रोचक ढंग से की। आज बाजारवाद का युग है इसमें किसी भी भाषा की व्यापकता जनोपयोगी एवं देश को आर्थिक रूप से दृढ़ता प्रदान करेगी। उनके अनुसार सभी भारतीय भाषाएँ एक ही पेड़ की विभिन्न शाखाएँ हैं। ध्वनि ब्रह्म का रूप है। हिंदी हमारी मां है एवं अन्य सभी भारतीय भाषाएँ-ओड़िया, बंग्ला आदि मौसी स्वरूप हैं। भाषा यदि प्रयोग में न रहे तो उसके विलुप्त होने का खतरा बढ़ जाता है ।

अध्यक्ष महोदय ने हिंदी की महत्ता एवं प्रयोजनमूलकता पर अपने अनुभव से सदन को अवगत कराया। उन्होंने छोटे-छोटे वाक्यांशों से हिंदी टिप्पणी लिखने की आदत डालने पर जोर दिया जिससे बाद में हिंदी में लिखना सहज हो जाएगा। उन्होंने हिंदी के बृहत्तर प्रचार-प्रसार हेतु हिंदी दिवस/पखवाड़ा बड़े पैमाने पर मनाए जाने की सलाह दी ताकि अधिक से अधिक कर्मीगण उसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

श्री पाणिग्राही ने एमसीएल के सभी क्षेत्रों में राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन धूमधाम से करने की सलाह दी गई और अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में सरल और सहज हिंदी को अपनाने पर बल दिया।

हिंदी दिवस के अवसर माननीय कोयला मंत्री के भाषण को पढ़ते हुए श्री एन.के.ओझा, उप महाप्रबंधक (का-कौशल विकास)

सभा को संबोधित करते हुए श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी

सभा को संबोधित करते हुए
श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक)

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मुरारीलाल शर्मा, विभागाध्यक्ष(हिंदी) संबलपुर विश्वविद्यालय

सभा को संबोधित करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री ओ.पी. मिश्र, मुख्य प्रबंधक, ई. प्रयोरमेंट

राजभाषा पखवाड़ा, 2015 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं

निबंध प्रतियोगिता का दृश्य

टिप्पण-आलेखन प्रतियोगिता का दृश्य

टंकण प्रतियोगिता का दृश्य

गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता का दृश्य

गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता का दृश्य

अच्छा है
बहुभाषा का ज्ञान
पर मत भूलो
राजभाषा का सम्मान ।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते हुए श्री दीपक सिंह, सहायक प्रबंधक(विधि)

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते हुए श्रीमती अनिमा कुमारी, लिपिक

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते हुए श्री एस.एस.हैम्ब्रम, सहायक प्रबंधक(सीपी)

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते हुए श्री सुधाकर सामल, कार्यालय अधीक्षक

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो.के.पी.गुप्त, पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) जी.एम. कालेज, संबलपुर

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ.हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य।

हिन्दी सरल संपर्क भाषा है,

इसे अपने कार्य में अपनाएं ।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री ओ.पी. मिश्र, मुख्य प्रबंधक(सिविल) ई-प्रोक्योरमेंट

श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि./राभा)।

श्री ए.के.तिवारी, निदेशक तकनीकी(संचालन) का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि./राभा)।

श्री के.के.परिडा, निदेशक(वित्त) का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि./राभा)।

प्रो.के.पी.गुप्त, पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) जी.एम. कालेज संबलपुर का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि./राभा)।

राजभाषा पखवाड़ा, 2015 समापन समारोह एवं अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, जागृति विहार स्थित ऑडिटोरियम में दिनांक 29.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा-2015 के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह तथा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन श्री ए.एन. सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष-राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में श्री ए.के. तिवारी, निदेशक (तकनीकी/ संचालन), श्री दीपक श्रीवास्तव, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आईएफएस, श्री के.के. परिडा,निदेशक(वित्त) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी के विद्वान द्वय श्री जगदीश नंदन सहाय एवं प्रोफेसर के.पी. गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), जी.एम. कालेज, संबलपुर के साथ-साथ जागृति महिला मंडल,एमसीएल की अध्यक्षा श्रीमती अंजु सहाय तथा उपाध्यक्षा श्रीमती परमजीत कौर, श्रीमती गीतांजली पाणिग्राही एवं श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा की उपस्थिति उत्साहवर्द्धक रही।

कार्यक्रम में मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षगण,क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख, मुख्य राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारी/ सहायकगण के साथ-साथ भारत सरकार,हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के श्री एन. के. ओझा, उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं कौशल विकास),एमसीएल/सर्वकार्यभारी अधिकार तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक उपस्थित हुए।

मंगलदीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह आरंभ हुआ । श्री जी. देहूरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि.सं एवं राजभाषा) ने अध्यक्ष महोदय एवं आमंत्रित अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया एवं अपने स्वागत भाषण में एमसीएल के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से राजभाषा नीति के पूर्णत: अनुपालन हेतु हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी।

अध्यक्ष महोदय द्वारा आमंत्रित कवियों को शॉल, श्रीफल तथा पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया एवं प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई देने के साथ-साथ यह सलाह दी गई कि वे अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करें ताकि एमसीएल राजभाषा लक्ष्यों को भी जल्द से जल्द पूरा कर सके एवं पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य पूरा हो सके।

अध्यक्ष महोदय के कर-कमलों से वर्ष 2014-15 के दौरान राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन हेतु क्षेत्रों/इकाइयों एवं मुख्यालय स्थित विभागों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार 'महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार का ट्राफी' एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया, जो एमसीएल मुख्यालय स्थित राजभाषा विभाग द्वारा पहली बार आरंभ की गई है।

अध्यक्षा,जागृति महिला मंडल एवं उपाध्यक्षा,जागृति महिला मंडल के कर-कमलों द्वारा पखवाड़े के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर पुरस्कार वितरण के पश्चात रॉची की 'स्वर' संस्था के संयोजक श्री कुमार बृजेन्द्र एवं उनकी टीम द्वारा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देश के कोने-कोने से पधारे हास्य तथा ओज के कवियों, गीत एवं गजलकारों ने अपनी काव्य प्रतिभा से बड़े तादाद में उपस्थित प्रतिभागियों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

श्रीमती अंजू सहाय, अध्यक्षा, जागृति महिला मंडल का
पुष्प-गुच्छ से स्वागत करती हुई श्रीमती सागरिका देहुरी।

श्रीमती परमजीत कौर, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल का पुष्प-गुच्छ से
स्वागत करती हुई श्रीमती सागरिका देहुरी।

श्रीमती गीतांजली पाणिग्रही, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल का
पुष्प-गुच्छ से स्वागत करती हुई श्रीमती सागरिका देहुरी।

श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल का
पुष्प-गुच्छ से स्वागत करती हुई श्रीमती सागरिका देहुरी।

मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए
श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं कवि गण।

मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए कवि गण।

कोल इंडिया कार्पोरेट गीत को सम्मानित करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक,
श्री ए.के.तिवारी, निदेशक तकनीकी(संचालन) एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण (दाएं से बाएं)।

कोल इंडिया कार्पोरेट गीत को सम्मानित करते हुए श्रीमती अंजू सहाय, अध्यक्षा, जागृति महिला मंडल, उपाध्यक्षा गण
श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा, श्रीमती गीतांजली पाणिग्राही एवं श्रीमती परमजीत कौर

हास्य कवि कुमार बृजेन्द्र का पुष्प-गुच्छ,शॉल एवं श्रीफल से स्वागत करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

प्रस्तुति देते हुए हास्य कवि कुमार बृजेन्द्र।

प्रस्तुति देती हुई हास्य कवित्री डॉ. माधुरी किरण।

हास्य कवि सम्मेलन का आनंद लेते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए.के.तिवारी, निदेशक तकनीकी(संचालन) एवं श्री दीपक श्रीवास्तव, आईएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी(दाएँ से बाएँ)

हास्य कवि सम्मेलन का आनंद लेती हुई श्रीमती अंजू सहाय, अध्यक्षा, जागृति महिला मंडल, उपाध्यक्षा गण श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा, श्रीमती गीतांजली पाणिग्रही, श्रीमती परमजीत कौर एवं उपस्थित महिलाएं।(बाएं से दाएं)

हास्य कवि सम्मेलन का आनंद लेते हुए श्री के.के.परिडा, निदेशक(वित्त), अध्यक्ष महोदय के पिताश्री श्री जगदीश नंदन सहाय, प्रो.के.पी.गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) जी.एम. कालेज संबलपुर एवं अधिकारी/कर्मचारी गण। (दाएं से बाएं)

कवियों को आशीर्वचन देते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री ओ.पी.मिश्र, मुख्य प्रबंधक(सिविल) ई-प्रोक्योरमेंट विभाग

पुरस्कार समारोह

श्रीमती अंजू सहाय, अध्यक्षा, जागृति महिला मंडल से हिंदी टंकण प्रतियोगिता अधिकारी वर्ग में प्रथम पुरस्कार ग्रहण करती हुई सुश्री कोमल अग्रवाल, प्रबंधन प्रशिक्षु, पर्यावरण विभाग।

श्रीमती परमजीत कौर, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल से टिप्पणी आलेखन प्रतियोगिता अधिकारी वर्ग (हिंदी भाषी) में प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री रमेश कुमार सिंह, वरि.अधिकारी(सचिवीय) निदेशक तकनीकी(परि./यो.) सचिवालय।

श्रीमती परमजीत कौर, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल से टिप्पणी आलेखन प्रतियोगिता कर्मचारी वर्ग (हिंदीतर भाषी) में प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री रमेश चन्द्र दाश, कार्यालय अधीक्षक, प्रशासन विभाग।

श्रीमती गीतांजली पाणिग्रही, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल से वाद-विवाद प्रतियोगिता कर्मचारी वर्ग (हिंदीतर भाषी) में प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री सुधाकर सामल, कार्यालय अधीक्षक, उत्पादन विभाग।

जब तक हम हिन्दी
नहीं अपनाएंगे,

स्वतंत्र होकर भी
गुलाम कहलाएंगे।

श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मंडल से हिंदी टंकण प्रतियोगिता कर्मचारी वर्ग में प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री पी.सी.पटेल, वरि.निजी सहायक, उत्खनन विभाग।

राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार

एमसीएल में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु ओरियंट क्षेत्र को प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री राजपाल यादव, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एवं श्री जी.पी.सिंह, नामित राजभाषा अधिकारी)

एमसीएल में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय कर्मशाला, ईबवैली को द्वितीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए महाप्रबंधक श्री विजय कुमार सिंह एवं राजभाषा टीम)

एमसीएल में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु हिंगुला क्षेत्र को तृतीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए नामित राजभाषा श्री जयपुरिया)

मुख्यालय के बड़े कार्यालय की श्रेणी में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु सुरक्षा विभाग को प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए प्रबंधक (सुरक्षा) श्री बी.के.सिंह)

मुख्यालय के बड़े कार्यालय की श्रेणी में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु उत्खनन विभाग को द्वितीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए महाप्रबंधक श्री एच.के.राउतराय एवं राजभाषा टीम)

मुख्यालय के छोटे कार्यालय की श्रेणी में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु प्रणाली विभाग को प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए महाप्रबंधक(प्रणाली) श्री बृजेश कुमार एवं नामित राजभाषा अधिकारी श्री मोहन कुमार, मुख्य प्रबंधक(प्र))

मुख्यालय के छोटे कार्यालय की श्रेणी में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु पर्यावरण विभाग को द्वितीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए महाप्रबंधक(पर्यावरण) श्री रजनीश श्रीवास्तव)

मुख्यालय के छोटे कार्यालय की श्रेणी में राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास विभाग को तृतीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.एन.सहाय, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री डी.सेट्ठी, प्रबंधक, (विं/यां)मानव संसाधन विकास विभाग)

कार्यशाला
दिनांक 16.04.2015

दिनांक 16 अप्रैल, 2015 को एमसीएल स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न हुआ। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री जी.देहुरी,महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि.सं./राजभाषा) ने की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर तथा एमसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों के नामित राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े कर्मचारी गण उपस्थित हुए।

श्री देहुरी ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला से प्रशिक्षार्थियों को अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करने हेतु अनुरोध किया साथ ही उन्होंने राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के प्रयोग को जमीनी स्तर पर कार्यालय में लागू करने के लिए विशेष जोर दिया। श्री देहुरी ने इस अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, कोल इंडिया श्री सुतीर्थ भट्टाचार्य द्वारा राजभाषा अधिनियम, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के संबंध में भेजे गए कार्यालय ज्ञापन का वाचन किया।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर ने राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम,1963 की धारा 3(3) से संबंधित विभिन्न उपबंधों को कार्यालयीन कार्य में और अधिक सक्षम तरीके से कैसे अपनाया जा सके तथा राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न दस्तावेजों के रख रखाव आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

श्री बी.आर.साहू वरि.अधि.(सचिवीय/राजभाषा) ने कार्यशाला का संचालन तथा अंत सभी वरि. अधिकारियों,संकाय सदस्य एवं प्रतिभागियों तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में जुड़े सहकर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उनके प्रति आभार प्रकट किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ.हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर

कार्यशाला का दृश्य

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक(मासंवि/प्र.प्रशि.राभा)

कार्यशाला दिनांक 01.08.2015

दिनांक 01 अगस्त, 2015 को महानदी कोलफील्डस लिमिटेड स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न हुआ । कार्यशाला की अध्यक्षता श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि /प्र.प्रशि.सं. / राजभाषा) ने की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर तथा एमसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों के नामित राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े कर्मचारी गण उपस्थित हुए।

श्री देहुरी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का हमें शत प्रतिशत कार्यान्वयन करना है। विशेषकर लखनपुर क्षेत्र, कनिहा क्षेत्र एवं एनएससीएच, तालचेर में धारा3(3) प्रतिशतता में वृद्धि करने की सलाह दी गई।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर ने संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप-समिति द्वारा एमसीएल के निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ.हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर

कार्यशाला का दृश्य

महोदय द्वारा समिति को दिए गए 16 आश्वासनों को कैसे पूर्णत: कार्यान्वित किया जाए, इस हेतु अपेक्षित कार्रवाई की जानकारी दी गई । संयुक्त सचिव, भारत सरकार, कोयला मंत्रालय से प्राप्त पत्र सं.ई-11017/2/2015-हिंदी, नई दिल्ली दिनांक 08 अप्रैल,2015, जो संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप-समिति द्वारा कोयला मंत्रालय में दिनांक 06.04.2015 को निरीक्षण के दौरान समिति को दिए गए आश्वासनों की पूर्ति के संबंध में है, एमसीएल द्वारा बिन्दुवार अपेक्षित कार्रवाई की जानकारी दी गई।

कार्यशाला
दिनांक 04.11.2015

दिनांक 04.11.2015 को प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा विभाग,एमसीएल मुख्यालय, आनंद विहार के सभागार में एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा) ने की। अतिथि वक्ता के रुप में श्री रामनारायण सरोज,उप निदेशक(पूर्व),हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार,गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, कोलकाता एवं हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर के हिंदी प्राध्यापक डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा उपस्थित हुए। इनके अलावा क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधकगण/मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी/क्षेत्रों एवं मुख्यालय के नामित राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा सहायकगण कार्यशाला में शामिल हुए।

इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय द्वारा श्री रामनारायण सरोज को शॉल,श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित अतिथियों/प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की गति को और बढ़ाने की जरूरत है ताकि हम राजभाषा नीतियों का पूर्णतया अनुपालन जल्द से जल्द सुनिश्चित कर सके।

श्री सरोज, अतिथि वक्ता ने हिंदी एवं राजभाषा हिंदी के अविर्भाव एवं संविधान में इसकी मान्यता से लेकर वर्तमान समय में इसकी स्थिति के बारे में सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किए। उन्होंने राजभाषा संबंधी सवैधानिक उपबंधों राजभाषा अधिनियम,1963 के विभिन्न धाराओं, राजभाषा नियम 1976 के विभिन्न नियमों तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर उपस्थित प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। श्री राजपाल यादव मुख्य प्रबंधक(कार्मिक)/क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, ईबवैली क्षेत्र द्वारा एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा नीतियों को पूर्णतया लागू करने हेतु अपना बहुमूल्य सुझाव दिए।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर ने अपने संबोधन में कहा कि एमसीएल में राजभाषा का प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन जोरों पर है, बस थोड़ी और प्रयास की जरूरत है ताकि राजभाषा नीतियों को पूर्णतया अमल में लाया जा सके।

श्री रामनारायण सरोज, उप निदेशक(हिंदी शिक्षण योजना), भारत सरकार राजभाषा विभाग कोलकाता का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./रा.भा.)

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./रा.भा.)

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री रामनारायण सरोज, उप निदेशक (हिंदी शिक्षण योजना), भारत सरकार, राजभाषा विभाग

कार्यशाला का दृश्य

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 30.06.2015

बैठक को संबोधित करते हुए श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि.राभा) एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर

बैठक को संबोधित करते हुए श्री जीतेन्द्र.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक(उत्पादन)

नराकास, गृह पत्रिका "संबलप्रभा" के तृतीय अंक का विमोचन करते हुए श्री जीतेन्द्र.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक(उत्पादन) श्री जी. देहुरी, महाप्रबंधक (मासंवि/प्र.प्रशि.राभा) सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर, एवं अन्य अधिकारीगण

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय,जागृति विहार में दिनांक 30.06.2015 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठक श्री जीतेन्द्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एमसीएल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। श्री जी. देहूरी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास/ प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान एवं राजभाषा) एवं सदस्य सचिव,नराकास, संबलपुर, डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के साथ-साथ समिति के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख /प्रतिनिधिगण/ राजभाषा अधिकारी गण बैठक में उपस्थित हुए।

बैठक के प्रारंभ में श्री जी. देहुरी ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि सभी सदस्य कार्यालय राजभाषा नीतियों के अनुपालन, प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु अपने-अपने स्तर पर ईमानदारी पूर्वक प्रयास करें ताकि संबलपुर नराकास का नाम उच्च स्तर पर जाना जा सके।

अध्यक्ष महोदय द्वारा अपने वक्तव्य में सभी सदस्य कार्यालय के प्रमुखों को राजभाषा कार्यान्वयन के तहत धारा 3(3) के शत प्रतिशत अनुपालन, हिंदी पत्राचार एवं हिंदी टिप्पण के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु अपने स्तर पर प्रयास करने पर बल दिया। राजभाषा नीतियों का अनुपालन हम सभी का एक संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है अत: हम सभी को इसका पूर्णतया अनुपालन करना चाहिए।

श्री बी.आर. साहू, वरिष्ट अधिकारी (सचिवीय/ राजभाषा) ने बैठक के संचालन के साथ-साथ पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की । इस दौरान एमसीएल, पंजाब नेशनल बेंक, इंडियन ओवरसीज बैंक एवं भारतीय जीवन बीमा निगम में किए गए राजभाषा कार्यान्वयन की गतिविधियों का प्रदर्शन संबंधित कार्यालयों द्वारा पावर प्वाइंट के माध्यम से किया गया।

बैठक में अध्यक्ष महोदय के कर-कमलों से नराकास, संबलपुर की हिंदी गृह पत्रिका 'संबल प्रभा' के तृतीय अंक का विमोचन किया गया।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक ने संबलपुर नगर स्थित सरकारी कार्यालयों एवं एमसीएल में चलाए जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण से संबंधित रिपोर्ट को विस्तार पूर्वक प्रस्तुत किया । श्री शर्मा ने समस्त प्रतिभागियों को समय पर तिमाही एवं छमाही रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजने का अनुरोध किया एवं पारंगत पाठ्यक्रम आरंभ करने के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई।

इसके अतिरिक्त बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक के अंत में श्री बी.आर. साहू, वरिष्ठ अधिकारी (सचिवीय/ राजभाषा) द्वारा प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 27.11.2015

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, जागृति विहार में दिनांक 27.11.2015 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठक श्री बी. सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./ राजभाषा), एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्यन समिति, संबलपुर के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख/ प्रतिनिधिगण बैठक में उपस्थित हुए।

बैठक के प्रारंभ में श्री त्रिपाठी ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं कहा कि राजभाषा नीतियों का अनुपालन केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में कार्य करनेवाले हम सभी का एक संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। सभी सदस्य कार्यालय का दायित्व बनता है कि वे अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा नीति के अनुपालन, प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु प्रयास करें। उन्होंने बैठक में बहुसंख्यक प्रतिभागियों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त किया।

अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा कि हम सभी को राजभाषा नीति के अंतर्गत मुख्य रूप से धारा 3(3) के शत प्रतिशत अनुपालन,हिंदी पत्राचार एवं हिंदी टिप्पण के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु प्रयास करना चाहिए, जिसके लिए कार्यालयों में सर्वप्रथम साधन उपलब्ध होना आवश्यक है,क्योंकि बिना साधन के राजभाषा का विकास संभव नहीं होगा।

श्री बी.आर. साहू कलिहारी, वरिष्ठ अधिकारी (सचिवीय/ राजभाषा) ने बैठक के संचालन के साथ-साथ पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान एमसीएल, यूनियन बैंक,पूर्वतट रेलवे एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने-अपने कार्यालयों में गत छमाही में किए गए राजभाषा कार्यान्वयन का प्रदर्शन पावर प्वाइंट के माध्यम से किया गया।

बैठक में अध्यक्ष महोदय के कर-कमलों से नराकास, संबलपुर की सदस्य कार्यालयों में से बेहतर राजभाषा कार्यान्वयन करनेवाले कार्यालयों को प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप शील्ड प्रदान किया गया। पुरस्कृत कार्यालयों में – एमसीएल, भारतीय स्टेट बैंक, यूनियन बैंक को क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार तथा भारतीय खाद्य निगम एवं दूरदर्शन को क्रमश: प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए संबंधित कार्यालय के राजभाषा अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा) एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु एमसीएल मुख्यालय, संबलपुर को प्रथम पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा) एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर तथा श्री नवलकिशोर शर्मा, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय को द्वितीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा) एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर तथा श्री नवलकिशोर शर्मा, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट

बैठक का दृश्य

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु यूनियन बैंक आफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय, संबलपुर को तृतीय पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि./राभा) एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर तथा श्री नवलकिशोर शर्मा, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय संबलपुर

विश्व हिंदी दिवस सह-राजभाषा सेमिनार

दिनांक 10.01.2016 को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए. के. झा, ने की। इस अवसर पर एमसीएल के निदेशक(तकनीकी/संचालन) श्री ए.के. तिवारी, निदेशक (तकनीकी/योजना व परियोजना) श्री जे. पी. सिंह एवं निदेशक(कार्मिक) श्री पी.सी. पाणिग्राही सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में प्रोफेसर के. पी. गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), गंगाधर मेहेर कॉलेज, संबलपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, बतौर अतिथि वक्ता डॉ. शंकरलाल पुरोहित, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी),बीजेबी कॉलेज, भुवनेश्वर एवं तकनीकी वक्ता श्री हरिराम पंसारी, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), नालको उपस्थित हुए। इनके अलावा श्री एन.के. ओझा, उप महाप्रबंधक (का./कौशल विकास) एवं सर्वकार्यभारी अधिकारी एवं डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय,भारत सरकार एवं मुख्यालय तथा क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय मुख्य नामित राजभाषा अधिकारीगण / नामित राजभाषा अधिकारीगण कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

मंगलदीप प्रज्जवलन के साथ सेमिनार प्रारंभ हुआ। श्री बी. सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./रा.भा.), एमसीएल द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के संबंध में अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए।

श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा)

श्री ए.के.तिवारी, निदेशक तकनीकी(संचालन) का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा)

श्री जे.पी.सिंह, निदेशक तकनीकी(यो./परि.) का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा)

श्री पी.सी.पाणिग्राही, निदेशक(कार्मिक) का पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा)

मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं अतिथि गण।

कोल इंडिया कार्पोरेट गीत को सम्मानित करते हुए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, निदेशक गण एवं अधिकारी/कर्मचारी गण।

अध्यक्ष महोदय एवं निदेशकगण द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शॉल, श्रीफल से सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। राष्ट्र की मजबूती के लिए हमारी राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा की मजबूती आवश्यक है। हमें दैनन्दिन जीवन में चाहे कार्यालयीन कार्य हो अथवा आपसी संवाद हो, अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। हिंदी के विकास में डिजीटल माध्यम का सक्रिय योगदान है, इससे हिंदी को ग्रहण करने में और आसानी हुई है। हिंदी आज विश्व भाषा के रूप में अपना अहम स्थान बना लिया है। नि:सन्देह एक दिन यह संयुक्त राष्ट्रसंघ की भाषा बनेगी।

विशिष्ट अतिथि प्रो. गुप्ता ने राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी देशवासियों को हिंदी के विकास एवं अपने कार्यों में इसके प्रयोग को महत्व देना चाहिए। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की अहमियत को हमें समझना चाहिए तभी तो इसे विश्व भाषा बनाने का हमारा दावा और अधिक कारगर होगा। अंत में उन्होंने स्वरचित हिंदी रुबाइयां भी प्रस्तुत की।

अतिथि वक्ता डॉ. पुरोहित ने कहा कि हिंदी क्रमश: विकसित हुई है एवं होती रहेगी। हमें प्रान्तीय भाषा के शब्दों को भी साथ लेकर चलना है। भाषा बहता नीर है। गैर-जरूरी शब्द अथवा जिसका प्रयोग कम या नहीं के बराबर होता है वह पीछे छूट जाता है। आगे उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के निहित गुणों के कारण विदेशों ने भी स्वीकार किया है कि यह विश्व भाषा बनने में सक्षम है। वर्तमान में हिंदी में कार्य करने तथा इसे विकसित करने हेतु सारी मूलभूत सुविधाएं हमारे पास उपलब्ध हैं, इसके वृहद शब्द भंडार हैं, अत: मेरे विचार से हिंदी बहुत जल्द संयुक्त राष्ट्रसंघ में अपना स्थान पाएगी। हम सभी भारतवासियों को इसका अधिक से अधिक प्रयोग करने की आवश्यकता है।

तकनीकीविद श्री पंसारी ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से हिंदी भाषा के विविध प्रयोग के बारे में जानकारी दी तथा केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न हिंदी साइटों,सॉफ्टवेयरों तथा इसके विभिन्न प्रयोग के बारे में सविस्तार बताया।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

समारोह को संबोधित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा)

सेमिनार को संबोधित करते हुए प्रो. के.पी.गुप्ता,
पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) जी.एम. कालेज संबलपुर

सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ.शंकरलाल पुरोहित,
पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) बीजेबी कॉलेज, भुवनेश्वर

सेमिनार को संबोधित करते हुए श्री हरिराम पंसारी, प्रबंधक(राजभाषा) नालको, भुवनेश्वर

सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा,
हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर

यूनिकोड प्रशिक्षण 20 से 25 जुलाई, 2015

दिनांक 20 से 25 जुलाई,2015 तक एमसीएल मुख्यालय स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में यूनिकोड समर्थित हिन्दी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तीन चरणों में सम्पन्न हुआ। प्रथम चरण में ईबवैली कोयलांचल, द्वितीय चरण में तालचेर कोयलांचल एवं तृतीय चरण में मुख्यालय के कार्मिकों के लिये प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त तीनों चरण में कुल 51 कार्मिक प्रशिक्षित हुए। कार्यक्रम में डॉ.हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर एवं कुशल प्रशिक्षक के रूप में डॉ.बनबिहारी साहू, प्रबंधक(राजभाषा) प्रशासनिक कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, संबलपुर को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ.साहू द्वारा कंप्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय करना, विभिन्न की-बोर्ड का परिचय एवं टंकण कराना, मंत्र-राजभाषा अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद सॉफ्टवेयर का परिचय, अंग्रेजी-हिंदी शब्दावली(डिक्सनरी)टिप्पणियॉं/वाक्य/शब्द का परिचय, राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न बेबसाइटों का परिचय, हिंदी भाषा शिक्षण पैकेज प्रबोध,प्रवीण एवं प्राज्ञ सॉफ्टवेयर, एमएस वर्ड में शुद्ध वर्तनी चैकर,हिंदी में एमएस वर्ड देखना, कंप्यूटर में काम करने के संबंध में प्रतिभागियों की समस्याएं एवं उसके निदान के सुझाव दिए गए।

तालचेर कोयलांचल के कर्मियों को प्रशिक्षण देते हुए डॉ.बनबिहारी साहू, प्रबंधक(राजभाषा) प्रशासनिक कार्यालय भारतीय स्टेट बैंक, संबलपुर

ईब वैली कोयालांचल के कर्मियों के प्रशिक्षण का दृश्य

मुख्यालय के कर्मियों के प्रशिक्षण का दृश्य

यूनिकोड प्रशिक्षण 08 से 13 फरवरी, 2016

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि./राभा)

गत दिनांक 08 से 13 फरवरी 2016 तक एमसीएल मुख्यालय स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में यूनिकोड समर्थित हिन्दी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तीन चरणों में सम्पन्न हुआ, जिसमें कुल 50 कार्मिक प्रशिक्षित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बी. सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./रा.भा.) द्वारा किया गया। कुशल प्रशिक्षक के रूप में दिनांक 08 एवं 09 फरवरी के लिए श्री रमेश चन्द्र मिश्रा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, कोलकाता एवं दिनांक 10 से 13 फरवरी के लिए श्री अनूप कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, कोलकाता को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर को भी आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षकों द्वारा कंप्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय करना, विभिन्न की-बोर्ड का परिचय एवं टंकण कराना, मंत्र-राजभाषा अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद सॉफ्टवेयर का परिचय,किसी भी फॉंट से किसी भी फॉंट में कनर्वट करना, अंग्रेजी- हिंदी शब्दावली(डिक्सनरी) टिप्पणियॉं / वाक्य/शब्द का परिचय, राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न बेबसाइटों का परिचय, हिंदी भाषा शिक्षण पैकेज प्रबोध,प्रवीण एवं प्राज्ञ सॉफ्टवेयर, एमएस वर्ड में शुद्ध वर्तनी चैकर,हिंदी में एमएस वर्ड देखना, कंप्यूटर में काम करने के संबंध में प्रतिभागियों की समस्याएं एवं सुझाव पर आलोकपात किया गया।

प्रशिक्षण का दृश्य

सत्र को संबोधित करते हुए श्री अनूप कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, कोलकाता

सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार संबलपुर

ईब वैली क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा-2015 सम्पन्न

दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर तक ईब वैली क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया इस दौरान राजभाषा से संबंधित अनेक प्रतियोगिताएं जैसे हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण आलेखन, क्वीज, टंकण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई। इन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 97 प्रतियोगी शामिल हुए। इस वर्ष भी विभागाध्यक्षों के लिए हिंदी ज्ञान/टिप्पण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें श्री राजीव कुमार विभागाध्यक्ष (खान सुरक्षा), श्री एस.एन.झा,विभागाध्यक्ष (वै/यां.) व श्री ए.बी.पाण्डे ,विभागाध्यक्ष (भू/पु.) ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 0 1 अक्टूबर को महाप्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन महाप्रबंधक, ईब वैली क्षेत्र श्री एस.के.श्रीवास्तव की अध्यक्षता में श्री एस.रायचौधरी, महाप्रबंधक (सुरक्षा व बचाव), एमसीएल मुख्यालय की उपस्थिति में किया गया। श्री के.वाई तंकच्चन, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक ने पखवाड़े का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्रम संघ प्रतिनिधि श्री बिजेश शर्मा, ओसीएमसी ने राष्ट्रभाषा हिंदी के संबंध में अपने गहन विचार रखे। श्री प्रकाश राय, बीसीएमडब्लूयू ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के बारे में अपना वक्तव्य दिया। श्री अर्जुन नाएक, एचएमएस ने क्षेत्रीय भाषा और राजभाषा हिंदी के बारे में अपने विचारों से अवगत कराया। श्री बी.के. लाहिरी, सिस्टा प्रतिनिधि ने राष्ट्रभाषा के संबंध में अपने विचार रखे। श्री राजपाल यादव, मुख्य प्रबंधक(कार्मिक) /क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक ईब वैली ने राजभाषा संबंधी विभिन्न सांविधिक उपबंधों के बारे में जानकारी दी साथ ही हिंदी में कविताएं प्रस्तुत किया। सतर्कता विभाग, मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में दर्शक-दीर्घा से श्री राजीव रंजन सिंह, वरि.प्रबंधक(सिविल) ईब वैली क्षेत्र ने राष्ट्रभाषा व कार्यालयीन हिंदी के बारे में अपने विचारों व अनुभवों से अवगत करया। श्री एस.रायचौधरी,महाप्रबंधक(सुरक्षा व बचाव), एमसीएल ने राष्ट्रभाषा व राजभाषा के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा के सामंजस्य के बारे में अपने सारगर्भित विचार रखे।

अध्यक्षीय वक्तव्य में महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए हिंदी में कामकाज बढ़ाने की अपील की। तत्पश्चात् विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में ईब वैली क्षेत्र के विभागाध्यक्षगण, अधिकारी गण, के साथ-साथ अन्य पदाधिकारीगण एवं कर्मचारी गण काफी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री के.पी.तिवारी, वरि.अधिकारी(का./प्र.), ईब वैली क्षेत्र ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती शिखा चटर्जी वरि.प्रबंधक(कार्मिक) ने किया। समारोह को सफल बनाने में श्री जे.पी.एम.तिवारी, श्री अशोक सिंह, व श्री जयन्त कुमार मिश्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के सामूहिक प्रयासों से पूरा कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

ईब वैली क्षेत्र में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न

महाप्रबंधक, ईब वैली क्षेत्र की अध्यक्षता व श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं/राजभाषा), एमसीएल मुख्यालय की गरिमामय उपस्थिति में दिनांक 24.12.2015 को महाप्रबंधक कार्यालय, ईब वैली में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न हुआ। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्रध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर को आमंत्रित किया गया।

सर्वप्रथम क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, ईब वैली ने सभी का स्वागत किया तत्पश्चात श्री बी.सी त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं/राजभाषा) ने ईब वैली क्षेत्र के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि धारा 3(3) और पत्राचार को और अधिक बढ़ाने का प्रयास किया जाए।

अध्यक्षीय संबोधन में महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा की महत्ता प्रतिपादित करने हेतु हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले तथा प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करनी चाहिए तथा हिंदीतर भाषी सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अगले सत्रों में भाषा प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण करें।

क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, ईब वैली श्री राजपाल यादव ने आश्वस्त किया कि अगली तिमाही से राजभाषा के रिपोर्ट में हिंदी कामकाज में पर्याप्त प्रगति अवश्य ही परिलक्षित होगी।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्रध्यापक ने राजभाषा संबंधी नियम, अधिनियम एवं हिंदी भाषा प्रशिक्षण पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने धारा 3(3) के अनुपालन पर विशेष जानकारी दी तथा इसकी अनिवार्यता के विषय में बताया साथ पत्राचार पर सारगर्भित जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दूसरे सत्र में श्री राजपाल यादव, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक ने सारगर्भित जानकारी देते हुए हिंदी भाषा की विशेषताओं का उजागर किया तथा देवजानगरी लिपि में प्रयुक्त शब्द विन्यास चमत्कार पर प्रकाश डाला।

अंत में श्री राजपाल यादव, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक ने धन्यवाद ज्ञापन किया व कार्यशाला समाप्त हुई।

राजभाषा का हमेशा मान होना चाहिए,
मातृभाषा का उचित सम्मान होना चाहिए ।

बसुंधरा क्षेत्र राजभाषा पखवाड़ा,2015

क्षेत्रीय मुख्याल, बसुंधरा क्षेत्र में दिनांक 15.09.2015 को श्री नीरज कल्ला, महाप्रबंधक, बसुंधरा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य एवं क्षेत्रीय मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं श्रम संघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजभाषा पखवाड़ा,2015 का उद्घाघन समारोह का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में हिंदी के प्रयोग पर जोर दिया। इस दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

दिनांक 08.10.2015 को श्री नीरज कल्ला, महाप्रबंधक, बसुंधरा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य एवं सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजभाषा पखवाड़ा,2015 समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

हिंगुला क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा, 2015

दिनांक 15.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा, 2015 का उद्घाटन क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री बी.सी.त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस समारोह में क्षेत्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रम संघ प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज एवं हिंदी स्लोगन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में हिंदीतर एवं हिंदी भाषी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

दिनांक 28.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक, हिंगुला क्षेत्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रम संघ प्रतिनिधि गण सम्मिलित हुए। अध्यक्ष महोदय के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को एवं गृहणियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

लखनपुर क्षेत्र राजभाषा पखवाड़ा,2015

लखनपुर क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा,2015 का उद्घाटन दिनांक 14.09.2015 को श्री एम.जी.ब्रम्हपुरकर, महाप्रबंधक के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रम संघ प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। राजभाषा अधिकारी श्री नरसिंह सिंह ने राजभाषा पखवाड़ा के दौरान होने वाले विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी निबंध, टंकण, वाद-विवाद, टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता एवं गृहणियों के लिये क्वीज एवं निंबध प्रतियोगिता के संबंध में अवगत कराया तथा इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक प्रतिभागियों को उपस्थित होने का अनुरोध किया।

उक्त सभी प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में अधिकारियों,कर्मचारियों, श्रम संघ प्रतिनिधियों एवं गृहणियों ने भाग लिया।

दिनांक 29.09.2015 को क्षेत्रीय मुख्यालय के त्रिवेणी क्लब में राजभाषा पखवाड़ा का समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री एम.जी.ब्रम्हपुरकर महाप्रबंधक ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री ब्रम्हपुरकर ने कहा कि राजभाषा हिंदी देश में अधिकांश लोगों द्वारा बोली एवं समझे जाने वाली सरल भाषा है एवं हम सभी को इसका सम्मान करना चाहिये और हमें अपने कार्यालयीन कार्य अधिक से अधिक हिंदी में करना चाहिए।

केन्द्रीय कर्मशाला ईब वैली में राजभाषा पखवाड़ा,2015

केन्द्रीय कर्मशाला ईब वैली में राजभाषा पखवाड़ा,2015 दिनांक 14.09.2015 से 28.09.2015 तक मनाया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं- हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पखवाड़ा का समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 29.09.2015 को आयोजित की गई, जिसमें महाप्रबंधक श्री विजय कुमार सिंह ने अपने कर कमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किए। समस्त विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी गण सहित श्रम संघ प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन श्री भारत भूषण ढ़ाकरिया, नामित राजभाषा अधिकारी ने किया और श्री सुरेश सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर आयोजन समाप्ति की घोषणा की

एकता की जान है, हिंदी देश की शान है.

भरतपुर क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा, 2015

भरतपुर क्षेत्र में दिनांक 14.09.2015 से 29.09.205 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। पखवाड़ा का उद्घाटन महाप्रबंधक, भरतपुर क्षेत्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। महाप्रबंधक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा कार्य हिंदी में करना चाहिए सभी विभागाध्यक्षों से हिंदी में नोटिंग करने की अपील की गई। सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने ध्वनिमत से हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात स्वीकारी।

दिनांक 16.09.2015 से 23.09.2015 तक राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

दिनांक 29.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता क्षेत्र के उप महाप्रबंधक, भरतपुर क्षेत्र ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी एवं श्रम संघ प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप महाप्रबंधक ने राजभाषा पखवाड़ा, 2015 की सराहना करते हुए आगामी दिनों में हिंदी के उत्तरोत्तर विकास की कामना की। समारोह में विजयी प्रतिभागियों को उप महाप्रबंधक के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया।

जगन्नाथ क्षेत्र राजभाषा पखवाड़ा-2015

जगन्नाथ क्षेत्र में दिनांक 14.09.2015 से 29.09.2015 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा का उद्घाटन श्री विजयंत कुमार, उप महाप्रबंधक, जगन्नाथ क्षेत्र के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्षगण, श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित थे। श्री विजयंत कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें कार्यालय का कामकाज हिंदी में करने का संकल्प लेना चाहिए ताकि हम अपनी राजभाषा को सम्मान दे सकें। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री आशा ज्योति, सहायक प्रबंधक(का./प्रशासन) द्वारा किया गया। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए ओडिशा राज्य से संबंधित विभिन्न एतिहासिक स्थल, सांस्कृतिक महत्व, पर्यटन स्थल, वन-उपवन प्राकृतिक धरोहर एवं खनिज संपदा से संबंधित लघु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन सभी आयोजनों में क्षेत्र के अधिकारियों,कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

दिनांक 07.10.2015 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के उप महाप्रबंधक श्री विजयंत कुमार द्वारा किया गया । इस अवसर पर क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्षगण, श्रमिक संघ के प्रतिनिधि गण, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। उप महाप्रबंधक द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए । कार्यक्रम का संचालन श्री शिशिर कुमार साहू, वरि.प्रबंधक (कार्मिक), श्री अंजन कुमार सिन्हा, उप प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा), सुश्री आशा ज्योति, सहायक प्रबंधक(का./प्रशासन) एवं श्रीमती सुजाता प्रधान, अनुवादक द्वारा किया गया।

तालचेर क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा, 2015

दिनांक 15.09.2015 को राजभाषा पखवाड़ा,2015 का उद्घाटन श्री अनूप कुमार नंदी, महाप्रबंधक, तालचेर क्षेत्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर तालचेर क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्ष, तीनों श्रमिक संघों के प्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी गण उपस्थित थे। श्री नंदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम अपना समस्त सरकारी कामकाज हिंदी में करने का संकल्प लें। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन मो.आई.एच.अंसारी द्वारा किया गया। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दिनांक 06.10.2015 को राजभाषा पखवाड़ा,2015 का समापन समारोह का आयोजन आफिसर्स क्लब में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के महाप्रबंधक, श्री अनूप कुमार नंदी द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर उपस्थित हुए। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, तीनों श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगण, प्रेस मिडिया के प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लेकर समारोह की शोभा बढ़ाई। महाप्रबंधक महोदय द्वारा अपने संबोधन में कहा कि कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा नीतियों का पालन करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, विशेषकर धारा3(3) को द्विभाषी रूप में जारी करने की संवैधानिक आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा के प्रति अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने पर बल दिया। अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पारितोषिक वितरण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।

लिंगराज क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा-2015

दिनांक 14.09.2015 को महाप्रबंधक, लिंगराज क्षेत्र के सभागार में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ महाप्रबंधक, श्री अभय कुमार सिन्हा, लिंगराज क्षेत्र के कर-कमलों द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह में लिंगराज खुली खदान के परियोजना अधिकारी श्री संजय कुमार झा समेत सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में लिंगराज क्षेत्र के राजभाषा विभाग द्वारा पावर प्वाइंट के माध्यम से बनाई लघु वृतचित्र ''हमारी हिंदी'' का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें हिंदी की राष्ट्रव्यापी प्रचार-प्रसार करने के लिए किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने जैसे महात्मा गांधी, स्वामी दयानंद सरस्वती, रवीन्द्रनाथ टैगोर, केशवचन्द्र सेन ने देश को आजाद करने के साथ-साथ अपनी संस्कृति, भाषा और साहित्य के संरक्षण के लिए अपना सर्वस्व योगदान दिया। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राजभाषा पखवाडा-2015 का समापन समारोह मंगलम प्रेक्षागृह में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री अभय कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरिराम पंसारी, प्रबंधक(राजभाषा) नालको, भुवनेश्वर श्री मनोज कुमार दास, प्रबंधक(राजभाषा) नालको, श्री एस. सुब्रमण्यम, प्रबंधक(राजभाषा) एनटीपीसी, तालचेर एवं एमसीएल के सेवानिवृत्त प्रबंधक (राजभाषा) श्री उदयनाथ बेहेरा, डॉ; हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर श्रमिक संघ प्रतिनिधि श्री सौभाग्य प्रधान, महासचिव, आईएनटीयूसी, श्री करूणाकर खंडुआल, एचएमएस, श्री रंजन बेहेरा, महासचिव, बीएमएस, श्री अमर नाएक, सिस्टा एवं रमेश बेहेरा, उपाध्यक्ष, सीएमओएआई उपस्थित थे। मुख्य अतिथि द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया एवं श्री संजय कुमार झा, परियोजना अधिकारी लिंगराज खुली खदान द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया। श्री विजय वल्लभ राय, क्षेत्रीय सर्वेक्षण अधिकारी, लिंगराज क्षेत्र ने सभी अतिथियों और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

कनिहा क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा - 2015

कनिहा क्षेत्र में दिनाँक 14/09/2015 से 28/09/2015 तक राजभाषा पखवाड़ा 2015 का आयोजन किया गया । दिनाँक 14/09/2015 को महाप्रबंधक, कनिहा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य में वरिष्ठ अधिकारियों तथा श्रम संघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजभाषा पखवाड़ा का उद्घाटन हुआ। पखवाड़ा के दौरान दिनांक 16.09.2015 से 22.09.2015 तक कुल पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें कुल 138 कर्मचारी, अधिकारी ने भाग लिया। सभी प्रतियोगितायें उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुई। दिनांक 28/09/2015 श्री अनवर हुसैन, महाप्रबंधक, कनिहा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य में सभी अधिकारियों / कर्मचारियों तथा श्रम संघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एनटीपीसी, कनिहा के राजभाषा अधिकारी श्री सुब्रमण्यम एवं नवभारत हिंदी समाचार पत्र के संवाददाता श्रीमती सुशुश्री पात्र उपस्थित थे। उपस्थित अतिथियों द्वारा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान वर्ष भर हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए श्री ओ. वही. सुजित सेन, मुख्य प्रबंधक(सिविल), कनिहा ओसीपी को महाप्रबंधक महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया इसी प्रकार श्रीमती रेवती साहू तथा अन्य तीन कर्मियों को भी हिंदी में उनके विशेष योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर में राजभाषा पखवाड़ा

केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर में दिनांक 14.9.2015 से 29.09.2015 तक राजभाषा पखवाडा मनाया गया है। इस तारतम्य में दिनांक 14.9.2015 को पूर्वान्ह 11 बजे केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर के नये सभागार में राजभाषा पखवाडा का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण एवं गृहणियॉं अधिक से अधिक संख्या में भाग लिए। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 14.9.2015 से 29.9.2015 तक किया गया एवं भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों जो विजेता हुए पुरस्कार एवं जो इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रतिभागी रहे उन्हे भी सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राजभाषा पखवाडा के सफल आयोजन का मुख्य उददेश्य राजभाषा हिन्दी का प्रचार-प्रसार एवं इस कार्यान्वयन में लाना है, जिसमें सभी अधिकारी/कर्मचारीगण एवं गृहणियों ने पूर्ण सहयोग किया।

नेहरू शताब्दी केन्द्रीय चिकित्सालय, तालचेर में राजभाषा पखवाड़ा, 2015

दिनांक 14.09.2015 से 28.09.2015 तक नेहरू शताब्दी केन्द्रीय चिकित्सालय, तालचेर में राजभाषा पखवाड़ा,2015 का आयोजन किया गया। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता, टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी टंकण प्रतियोगिता एवं गृहणियों के लिए क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सक, अधिकारी/कर्मचारी गण एवं गृहणियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

राजभाषा पखवाड़ा का समापन समारोह दिनांक 15.10.2015 को चिकित्सालय के सेमिनार हॉल में किया गया जिसमें विशेष अतिथि के रूप में डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर, डॉ. कन्हैया लाला आचार्य, हिंदी आध्यापक, डीएव्ही पब्लिक स्कूल, कलिंग क्षेत्र एवं श्री दिनेश माली, वरि. प्रबंधक(खनन) लिंगराज क्षेत्र उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा सेवा प्रमुख प्रभारी, एनएससीएच तालचेर, डॉ.पी.सी.पात्रा ने किया। कार्यक्रम में आंचलिक चिकित्सालय के चिकित्सक एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे। डॉ. पात्रा द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री डी.बी.कांबले, वरि.प्रबंधक(कार्मिक)/नामित राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।

एमसीएल कार्यालय भुवनेश्वर में राजभाषा पखवाड़ा,2015

दिनांक 14.09.2015 से 28.09.2015 तक एमसीएल कार्यालय भुवनेश्वर में एमबीपीएल एवं मिनरम के साथ संयुक्त रूप से राजभाषा पखवाड़ा,2015 का आयोजन किया गया। पखवाड़ा का उद्घाटन दिनांक 14 सितम्बर को किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने हेतु सुझाव दिए गए। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, टिप्पण आलेखन एवं टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिता में अधिकारी एवं कर्मचारी गण बड़ी उत्साह से भाग लिए।

दिनांक 28 सितम्बर,2015 को उप महाप्रबंधक, भुवनेश्वर की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा के समापन का आयोजन किया गया, जिसमें उप महाप्रबंधक के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।